श्रमसाधना

दैनिक सांध्यकालीन

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 12 ग्वालियर, बुधवार 12 अगस्त 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

दूध उत्पादन बढ़ाने पर सरकार का जोर, एनालॉग पनीर की बिक्री और निर्माण को हतोत्साहित करने के निर्देश

मध्यप्रदेश में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध, सीएम बोले-प्राकृतिक दूध के उत्पादों को देंगे बढ़ावा

भोपाल जीएनएस

मध्यप्रदेश में एनालॉग पनीर की बिक्री और इस्तेमाल को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को स्पष्ट किया कि प्रदेश में एनालॉग पनीर को प्रतिबंधित किया जाएगा और प्राकृतिक दूध से बने पनीर को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार दूध उत्पादन बढ़ाने की दिशा में भी काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 12 अगस्त को मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश में एनालॉग पनीर की बिक्री को हतोत्साहित करने का निर्णय लिया गया है। इस पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाया गया है।

प्राकृतिक उत्पादों से बनेगी प्रदेश की पहचान : मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्राकृतिक दूध के पर्याप्त उत्पाद हैं। सरकार प्राकृतिक दूध से बनने वाले पनीर और अन्य उत्पादों को प्रोत्साहित करेगी। इन उत्पादों के जरिए प्रदेश की अलग पहचान बनाने पर जोर दिया जाएगा।

दूध उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम : डॉ. यादव ने

कहा कि प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। ऐसे में एनालॉग पनीर की बिक्री जैसी गतिविधियों को किसी भी तरह बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। सरकार प्राकृतिक दूध से बने उत्पादों को ही प्रोत्साहित करेगी।

प्रदेश में सीपीसीटी परीक्षा की अनिवार्यता होगी खत्म!

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरियों के लिए अनिवार्य कंप्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (सीपीसीटी) की बाध्यता खत्म करने की तैयारी की जा रही है। राज्य सरकार इस व्यवस्था में बदलाव करने पर विचार कर रही है, जिससे नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों युवाओं को राहत मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में प्रदेश में कई सरकारी पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। कंप्यूटर ज्ञान का प्रमाण-पत्र नहीं होने पर अभ्यर्थी कई पदों के लिए पात्र नहीं माने जाते हैं। लंबे समय से युवा संगठनों की ओर से सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की जा रही थी।

युवाओं की मांग पर सरकार कर रही विचार : युवाओं का तर्क है कि वर्तमान दौर में अधिकांश अभ्यर्थी कंप्यूटर का सामान्य ज्ञान रखते हैं और अलग से सीपीसीटी परीक्षा की अनिवार्यता से आवेदन प्रक्रिया प्रभावित होती है। कई बार परीक्षा की तिथियों और परिणाम में देरी के कारण भी उम्मीदवारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सरकार का मानना है कि तकनीकी दक्षता को अन्य माध्यमों से भी परखा जा सकता है। इसी को देखते हुए सीपीसीटी व्यवस्था में बदलाव की तैयारी की जा रही है। मध्यप्रदेश में लिपिकीय और कंप्यूटर आधारित कई सरकारी पदों के लिए सीपीसीटी प्रमाण-पत्र अनिवार्य है। यदि सरकार इस नियम में बदलाव करती है तो भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ सकती है और उन्हें अतिरिक्त परीक्षा से राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल में करेंगे ध्वजारोहण

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड पर 15 अगस्त 2026 को होने वाले स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे और प्रदेश की जनता को संबोधित करेंगे। पुलिस, एस.ए.एफ., सी.आई.एस.एफ., जेल गार्ड, होम गार्ड, एन.सी.सी. एवं स्काउट गाइड्स की संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉं. यादव को संयुक्त परेड द्वारा ÷गार्ड ऑफ ऑनर÷ दिया जाएगा। मुख्य समारोह के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शौर्य स्मारक में शहीदों को श्रद्धाजंलि दी जायेगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य स्तर के साथ ही जिला, जनपद पंचायत

और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय रूप से आयोजित करने के लिए परिपत्र जारी किया है।

स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रमों की रूपरेखा त्र स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को राज्य स्तर, जिला, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम होंगे। जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9ः00 बजे से किया जाएगा।

बच्चों और महिलाओं ने उत्साह से लिया हिस्सा,, आज फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

सावन मेले में रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता में दिखी प्रतिभा

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण की ओर से आयोजित सावन मेले में एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को मेहंदी रचाओ और रंगोली सजाओ प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें बच्चों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

संस्था अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि कार्यक्रम की

शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. शिखा कट्ठल ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। अतिथियों का स्वागत अशोक जैन, धीरज गोयल और मुकेश गुप्ता ने किया। प्रतियोगिता के दौरान मेले में उत्साह का माहौल रहा। प्रतिभागियों ने आकर्षक रंगोली सजाई और मेहंदी के विभिन्न डिजाइनों से अपनी रचनात्मकता दिखाई।

आज फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, होगा पुरस्कार वितरण : संजय कट्ठल ने बताया कि सावन मेले में 9 से 12 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बुधवार को बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी। इसी के साथ चार दिवसीय आयोजन का समापन और पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी मौके पर पंजीयन कराकर शामिल हो सकते हैं। संस्था अध्यक्ष संजय कट्ठल, अशोक जैन, धीरज गोयल और राजेश त्रिपाठी ने बच्चों, युवाओं और अभिभावकों से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन में सहभागिता करने और अपनी प्रतिभा दिखाने की अपील की है।

डायल-112 सहित हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी, पुलिस अधिकारियों ने बच्चों की जिज्ञासाओं का किया समाधान

थानों में पहुंची नई पीढ़ी, सृजन संवाद में बच्चों ने समझी पुलिस की कार्यप्रणाली

ग्वालियर जीएनएस

मध्यप्रदेश पुलिस के 'सृजन संवाद' कार्यक्रम के तहत मंगलवार को जिले के विभिन्न थानों में स्कूली विद्यार्थियों का भ्रमण कराया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश और कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने पुलिस की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा।

थाना कंपू, पड़ाव, कोतवाली, विश्वविद्यालय और करहिया में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि थाने में आमजन की शिकायत कैसे दर्ज की जाती है और शिकायत मिलने के बाद पुलिस किस तरह कार्रवाई करती है। पुलिस की जिम्मेदारियों और आमजन की सुरक्षा के लिए किए जाने वाले प्रयासों की जानकारी भी सरल भाषा में दी गई।

आपात स्थिति में डायल-112 की मदद लेने की दी जानकारी : कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डायल-112 सहित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन और

टेलीफोन नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल पुलिस की सहायता ली जा सकती है। विद्यार्थियों को डायल-112 की कार्यप्रणाली और उपयोगिता के बारे में भी बताया गया।

बच्चों के सवालों का मित्रवत तरीके से दिया जवाब : पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ मित्रवत संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं और सवालों का समाधान किया। बच्चों को कानून के प्रति जागरूक रहने, सुरक्षित व्यवहार अपनाने और किसी भी समस्या को अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया गया।

शासकीय डीएवी हायर सेकेंडरी स्कूल, शासकीय माध्यमिक विद्यालय महलगांव सहित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पुलिस के अनुसार 'सृजन संवाद' के माध्यम से ग्वालियर पुलिस और नई पीढ़ी के बीच विश्वास और संवाद की मजबूत कड़ी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गंगाराम कुदरिया समिति ने किया वृक्षारोपण , कार्यकारिणी का गठन हुआ

ग्वालियर, जीएनएस। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गंगाराम कुदरिया जन कल्याण सेवा संकल्प समिति के तत्वाधान में आज झांसी रोड स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया वैसे तो यह संस्था प्रत्येक रविवार को वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित करती रहती है इस संस्था द्वारा आज 2.0 वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया वहीं दाना पानी का 9.0 नौवा चरण संपन्न किया गया साथ ही समिति का विस्तार होने पर वर्षा ऋतु गोठ का भी आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवा निवृत्त शिक्षक रजिस्टर्ड चिकित्सक आनंद मोहन शर्मा जी थे कार्यक्रम में समिति के पंजीयन होने पर समिति के सभी कार्यकारिणी सदस्यों को सम्मान

पत्र देकर नाम की घोषणा की गई और समिति द्वारा आगामी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित करके दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया इस आयोजन समिति में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर अमित कुदरिया सचिव पद अनुपम गुप्ता शहर सचिव पद संजीव अग्रवाल उपाध्यक्ष कपिल नीखरा कोषाध्यक्ष अभिषेक गुप्ता संरक्षक रितेश गुप्ता अंकेक्षक अनिल प्रजापति और उपसंरक्षक दीपक सोनी आकाश जैन को टीम प्रचारक पद पर मनोनीत किया गया साथ ही आयोजन समिति में अमन बंसल रोमिल गुप्ता करण सोनी को चुना गया कार्यक्रम संयोजक राजेश छरौलिया और संयोजक दीपक गुप्ता को बनाया गया समिति द्वारा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया समिति में पत्रकार मंत्रियों का भी सम्मान किया गया इसके बाद समिति का अध्यक्ष अमित को दरिया ने सभी इतने जनों का आभार व्यक्त किया।

कन्हारी के आरोग्य धाम के पास गौरमी रोड से दो आरोपी गिरफ्तार, कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद

भिण्ड, जीएनएस। पुलिस अधीक्षक सूरज वर्मा के निर्देशन में मेहगांव थाना प्रभारी रविन्द्र शर्मा ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया , थाना प्रभारी के अनुसार दोनों आरोपी अवैध हथियार लेकर घूम रहे थे। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कन्हारी स्थित आरोग्य धाम के पास गौरमी रोड पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा।

पुलिस की कार्रवाई के दौरान एक आरोपी के कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। वहीं दूसरे आरोपी के पास से 32 बोर का जिंदा राउंड बरामद होने की बात पुलिस ने बताई है। हथियार और कारतूस मिलने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कन्हारी क्षेत्र में गौरमी रोड के आसपास दो संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार लेकर मौजूद हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए मेहगांव थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर संदिग्धों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने दोनों को पकड़ लिया।तलाशी के दौरान अवैध हथियार एवं जिंदा कारतूस बरामद होने पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मेहगांव थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 25(1-क्क)(ड्) आयुध अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया ।

जिले में अभी तक 419.02 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शिवपुरी, जीएनएस। शिवपुरी जिले में 01 जून 2026 से अभी तक 419.02 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 1050.37 मि.मी. औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी.है। गत वर्ष जिले में कुल 1585.86 मि.मी.वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अभी तक शिवपुरी में 465.80 मि.मी., बैराड़ में 279 मि.मी., पोहरी में 474 मि.मी., नरवर में 405 मि.मी., करैरा में 410.40 मि.मी., पिछोर में 382 मि.मी., कोलारस में 485 मि.मी., बदरवास में 441.50 मि.मी. तथा खनियाधाना में 428.50 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

धरा धाम की अकादमिक इकाइयों को मिला नया नेतृत्व

डॉ. निशा अग्रवाल एजुकेशन एंड रिसर्च अकादमी एवं सुनीता सिंह सरोवर साहित्य अकादमी की मानद निदेशक नियुक्त

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संगठन धरा धाम इंटरनेशनल ने शैक्षिक एवं साहित्यिक गतिविधियों के विस्तार को गति देने के लिए दो महत्वपूर्ण अकादमिक इकाइयों में नियुक्तियां की है। शिक्षाविद् एवं कवयित्री डॉ. निशा अग्रवाल को धरा धाम इंटरनेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च अकादमी तथा प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवयित्री श्रीमती सुनीता सिंह सरोवर को धरा धाम इंटरनेशनल साहित्य अकादमी का मानद निदेशक नियुक्त किया गया है।

धरा धाम इंटरनेशनल के प्रमुख एवं मानद कुलपति सोहार्द शिरोमणि संत डॉ.सौरभ पांडेय ने बताया कि शिक्षा, पाठ्यक्रम विकास, पाठ्यपुस्तक लेखन, शोध एवं साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय जयपुर राजस्थान की प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं पाठ्यपुस्तक लेखिका डॉ.निशा अग्रवाल को निदेशक के रूप में वह अकादमी की शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों, अकादमिक प्रकाशन, शिक्षक विकास तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेंगी। वहीं देवरिया,उत्तरप्रदेश की श्रीमती सुनीता सिंह सरोवर को साहित्य अकादमी की जिम्मेदारी दी गई है। साहित्य, काव्य एवं सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र में सक्रिय सरोवर साहित्यिक गतिविधियों, साहित्यिक शोध, प्रकाशन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के साथ नवोदित रचनाकारों को मंच उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करेंगी। धरा धम इंटरनेशनल के संस्थापक एवं मुख्य ट्रस्टी सोहार्द शिरोमणि डॉ. सौरभ पाण्डेय ने दोनों नियुक्तियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा और साहित्य समाज में ज्ञान, संवेदना, संवाद एवं मानवीय मूल्यों को मजबूत करने के प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि दोनों विदुषियों के अनुभव और नेतृत्व से धरा धाम की अकादमिक एवं साहित्यिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

धरा धाम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रेम प्रकाश, धरा गवर्नर डॉ. शंभु पंवार, डॉ. एहसान अहमद, डॉ. पूजा शैलेंद्र निगम, रत्नाकर त्रिपाठी, डॉ. विनय श्रीवास्तव, आशुतोष शुक्ल, डॉ. निक्की शर्मा एवं सोमनाथ पाण्डेय ने दोनों नवनियुक्त निदेशकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

धरा धाम इंटरनेशनल शिक्षा, शोध, साहित्य, संस्कृति, मानवीय सेवा एवं सर्व धर्म सद्भाव के माध्यम से वैश्विक शांति और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है। दोनों नियुक्तियों को संस्था के अकादमिक एवं साहित्यिक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां तेजी से जारी

एसएएफ ग्राउंड का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर ग्वालियर के एसएएफ ग्राउंड में तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। मंगलवार को अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को तैयारियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। अपर जिला दण्डाधिकारी श्री प्रसाद ने समारोह स्थल पर मंच, बैठक व्यवस्था, साफ-सफाई एवं मार्च पास्ट व सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को

समय-सीमा में पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल और गरिमापूर्ण आयोजन के लिए सभी तैयारियां निर्धारित समय से पहले पूर्ण की जाएं। संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान एसडीएम श्री अतुल सिंह व श्री नरेन्द्र बाबू यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

लक्ष्मी योजना के विरोध करने पर आप विधायक अजय दत्त के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, जीएनएस। अंबेडकर नगर विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के सम्मान, अधिकार एवं आर्थिक सशक्तिकरण के मुद्दे को लेकर क्षेत्र की महिला जनसमूह द्वारा विरोध-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली सरकार की प्रस्तावित 'लक्ष्मी योजना' के तहत महिलाओं को ?2,500 की आर्थिक सहायता दिए जाने के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के विधायकों द्वारा विधानसभा में वॉकआउट किये जाने को लेकर नाराजगी व्यक्त की। सैंकड़ों महिलाओं ने इस दौरान विधायक अजय दत्त के कार्यालय के बाहर पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया और सरकार से महिलाओं के हित में ठोस कदम उठाने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाली योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती है। ऐसे में यदि किसी स्तर पर इस योजना का विरोध किया गया है। तो महिलाओं के बीच इसको लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि महिलाओं को सम्मान, अधिकार और आर्थिक आत्मनिर्भरता देने के मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठकर निर्णय लिया जाना चाहिए। इस अवसर पर महिलाओं ने अपनी मांगों को मजबूती से रखते हुए कहा कि दिल्ली की मातृशक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है ।

राष्ट्रीय ध्वज भारत की शक्ति और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक : सिकरवार

गुना, जीएनएस। भारतीय जनता पार्टी के गुना मंडल द्वारा स्थानीय पार्टी कार्यालय से मुख्य बाजार होते हुए जयस्तभ चौराहे तक तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं,समाजसेवी संस्था के पदाधिकारी,गणमान्य नागरिक एवं पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए ।तिरंगा यात्रा के उपरांत भारत माता की आरती का आयोजन किया गया ।यात्रा के समापन के दौरान भाजपा के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा कि आजादी के आंदोलन में हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारत माता के वैभव को शिखर पर विराजमान करने में हमारे सेनानियों का अहम योगदान है। उन्होंने का कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को यह दिखाया है कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति जब संकल्प में बदलती है, तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं रहती। आज भारत अपनी सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम है, अपने राष्ट्रीय

हितों पर दृढ़ता से निर्णय लेता है और वैश्विक मंच पर पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखता है। तिरंगा यात्रा देश के वीर जवानों के शौर्य को नमन करने और प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत करने का अवसर है।उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए आह्वान किया कि स्वतंत्रता दिवस पर सभी अपने परिवारजनों के साथ अपने निवास,कार्यालय एवं प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराए और अपनी सेल्फी सोशल मीडिया अपलोड कर अपना देश प्रेम का संदेश दें । जिला मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भरतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जनमानस के साथ तिरंगा यात्रा व अन्य कार्यक्रमों में माध्यम से देशभक्ति के कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित करते हुए देश की एकता और अखंडता के प्रति संकल्प लेते हैं ।पार्टी के निर्देशानुसार दिनांक 9 से 15 अगस्त तक सभी कार्यकर्ता व्यापक जनभागीदारी के साथ हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा अभियान में भाग लेंगे ।इसी क्रम में जिला स्तर पर 14अगस्त को तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत भी विशेष रूप से शामिल होंगे । जिले भर के इक्कीस मंडलों में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है जिसमें संचालन हेतु जिला एवं मंडल स्तर पर पाँच कार्यकर्ताओं की टोली बनाई गई है ।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत होंगे अनेकों आयोजन

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर हर आयोजन में होगा गायन

ग्वालियर, जीएनएस। प्रदेश स्तर पर हर घर तिरंगा यात्रा एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर अनेकों आयोजन शहर में किए जाएंगे। प्रत्येक आयोजन में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन किया जाएगा। जबकि राष्ट्रीय गीत वंदे मारतम का समापन 7 नवंबर को किया जाएगा।

युवा पीढ़ी में देशभक्ति का जज्बा पैदा करने एवं इसमें जन-जन की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा 9 से 17 अगस्त तक ÷हर घर तिरंगा अभियान÷ मनाया जा रहा है इसके साथ ही राष्ट्रीय गीत वंदे मारतम के 150 साल पूर्ण होने पर अनेक आयोजन किए जाएंगे। इसके लिए शासन स्तर से कैलेण्डर जारी किया गया है।

यह होंगे आयोजन

अभियान के तहत आमजन में देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के लिए कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें रैली व यात्राएं निकाली जाएंगी। साथ ही तिरंगा यात्रा, बाइक, ई-बाइक, साइकिल रैली और मानव श्रृंखला निकाली जाएगी। इसकेसाथ ही सांस्कृतिक व रचनात्मक कार्यक्रम, तिरंगा मेला, तिरंगा कॉन्सर्ट, रंगोली व सजावट प्रतियोगिता, बुनाई प्रदर्शन एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाएगा। इन आयोजनों में जन-भागीदारी के लिए सार्वजनिक स्थानों पर सेल्फी विद तिरंगा अभियान, घरों, कार्यालयों एवं वाहनों पर तिरंगा फहराया जाएगा। साथ ही जगह-जगह लाइटिंग की जाएगी। ÷हर जगह तिरंगा÷ व रिकॉर्ड विद तिरंगा जैसे आयोजन होंगे। इसके साथ ही सैनिकों व पुलिसकर्मियों के साथ ÷पत्र लेखन÷, नुक्कड़ नाटक और तिरंगा प्रदर्शनी आयोजित होंगी।

वंदे मातरम के 150 साल पूर्ण होने पर यह होंगे आयोजन

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के दौरान आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में सामूहिक ÷वंदे मातरम÷ का गायन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। शासकीय कार्यक्रमों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक सभाओं में ÷वंदे मातरम के बाद राष्ट्रगान किया जाएगा।

15 अगस्त को विशेष होंगे आयोजन

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान भी विशेष रूप से वंदे मातरम गायन और राष्ट्रीय ध्वज फहराने के निर्देश दिए गए हैं।

7 नवंबर को होगा वंदे मातरम गीत का समापन

वंदे मातरम÷ की 150वीं वर्षगांठ के चलते समापन कार्यक्रम 7 नवंबर 2026 को आयोजित होगा ।

14 अगस्त को भारत के दो टुकड़े हुए थे, जिससे पाकिस्तान का जन्म हुआ था। इस विभाजन के दर्द और त्रासदी को याद करते हुए अत्यंत गंभीर और गरिमापूर्ण माहौल में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। जिसमें मौन जुलूस, शांति मार्च और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होगा। इसके साथ ही विभाजन से प्रभावित परिवारों एवं उनके प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनके अनुभव साझा कराए जाएंगे। संग्रहालयों, पुस्तकालयों तथा शासकीय भवनों में विभाजन से संबंधित ऐतिहासिक तस्वीरों और अभिलेखों की विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

15 अगस्त को राज्य एवं जिला स्तर पर भव्य सजावट व सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। जिसमें सरकारी भवनों, बांधों, पुलों, प्रमुख सड़कों, अस्पतालों और बाजारों को तिरंगे पर आधारित आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा।

गोबर नाली में बहाने पर वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस। शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज वार्ड क्रमांक 51 सिकंदर कंपू सुनील सिंह भदौरिया के द्वारा नाली में गोबर बहाने पर 1000 रूपये, वार्ड क्रमांक 41 ब्रज भोग मिष्ठान भंडार के संचालक श्री सुनील जैन द्वारा सड़क पर गंदगी करने पर 1000 रूपये एवं वार्ड क्रमांक 38 में गंदगी फैलाने पर ठेले वालों पर 500 रूपये का जुर्माना किया गया। जुर्माना कार्रवाई के दौरान श्री सोनू दादोरिया, श्री भीकाराम, श्री करण टक, श्री मनोज भारती, श्री नंदेश कुमार, श्री प्रदीप राज चौहान, श्री धर्मेंद्र धीरज धौलपुरिया आदि उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत गांधी प्राणी उद्यान में चित्रकला प्रतियोगिता 13 अगस्त को

ग्वालियर, जीएनएस। हर घर तिरंगा अभियान-2026 अन्तर्गत नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में जगह-जगह विभिन्न प्रकार के आयोजन किये जा रहे हैं, इसी क्रम में गांधी प्राणी उद्यान चिड़ियाघर में दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। नोडल अधिकारी चिड़ियाघर डॉ उपेन्द्र यादव ने बताया कि दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में कक्षा 01 से 12 तक के छात्र-छात्रायें भाग ले सकेंगें, चित्रकला प्रतियोगिता।

हर पुलिस थाने में बाल कल्याण अधिकारी नियुक्त किए जाएं

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने जिला स्तरीय समन्वय बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। हर पुलिस थाने में बाल कल्याण अधिकारी नियुक्त किए जाएं। साथ ही उन्हें प्रशिक्षण भी दिलाएं, जिससे वे पॉक्सो एक्ट सहित अन्य प्रावधानों के तहत बाल अधिकार संरक्षण में मदद कर सकें। इस आशय के निर्देश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने दिए। वे सोमवार को ग्वालियर कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला स्तरीय समन्वय बैठक में बाल अधिकारों, बाल संरक्षण व्यवस्थाओं एवं शासकीय व अशासकीय बाल देखरेख संस्थाओं की गतिविधियों की समीक्षा कर रहीं थीं।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्यगण, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यगण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवेश बघेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्रीमती उपासना राय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम एस सागर सहित स्कूल शिक्षा, सामाजिक न्याय व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने जोर देकर कहा कि पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण हर हाल में 24 घंटे के भीतर जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत हो जाना चाहिए। पुलिस अधिकारी इस काम को गंभीरता से लें। उन्होंने पॉक्सो एक्ट से संबंधित प्रकरणों के लिये पर्याप्त सपोर्ट पर्सन नियुक्त करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास को दिए। आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि पॉक्सो एक्ट की धारा-4, 5 व 6 में दर्ज प्रत्येक प्रकरण में सपोर्ट पर्सन की व्यवस्था हर हाल में होना चाहिए। बाल संरक्षण संस्थाओं में निवासरत सभी बच्चों की नियमित हैल्थ व सुरक्षा ऑडिट करने पर भी बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष में विशेष बल दिया।

तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अंतिम अवसर

ग्वालियर। शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, पड़ाव, ग्वालियर में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर संस्था स्तर की काउंसलिंग प्रक्रिया (सीएलसी) के माध्यम से प्रवेश जारी है। प्रदेश के कक्षा 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण छात्राएं 14 अगस्त 2026 तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को प्रातः 10ः30 बजे से शाम 5 बजे तक महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकती हैं। प्रवेश के लिए महाविद्यालय में आने से पहले ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन में किसी प्रकार की समस्या अथवा पाठ्यक्रमों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9893075093, 9827375294, 9826944591, 7987692644, 8518034030, 8827986290 एवं 9098977705 पर संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को लेकर अधिकारी गंभीरता से करें कार्य

ग्वालियर, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले साप्ताहिक शिविर को अधिकारी गंभीरता से लें और सीएम हेल्प लाइन, जनसुनवाई एवं लोकसेवा गारंटी के प्रकरणों का निराकरण संतुष्टि के साथ गंभीरता से करायें। अन्यथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कडी कार्यवाही होगी। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने समय सीमा बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए।

निगम मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा, उपायुक्त श्री प्रदीप श्रीवास्तव एवं श्री सुनील चौहान सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में निगमायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शासन की प्राथमिकता वाला अभियान है। इस अभियान के तहत आगामी 14 अगस्त 2026 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 8 के अंतर्गत लगाया जाएगा। जिसमें अन्य गतिविधियां जैसे स्वास्थ्य शिविर इत्यादि का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही शासन की योजनाओं से संबंधित सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों का निराकरण संबंधित अधिकारी गंभीरता से करें। जिसमें नागरिक सेवा, पेयजल, सीवर, जनकल्याण आदि विभाग प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि 100 दिवस से अधिक की शिकायतों को लेकर संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर शिकायतों का निराकरण करायें। इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। स्वास्थ्य विभाग की 200 दिवस से अधिक पुरानी शिकायत को लेकर स्वास्थ्य विभाग के लिपिक श्री सतेन्द्र त्रिपाटी को लापरवाही के लिए नोटिस जारी करने के निर्देष दिए। सड़कों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी संबंधित कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री अपने अपने क्षेत्रों में सड़कों की नियमित मॉनिटरिंग करें। मुख्य सड़कों पर कहीं भी गड्ढे न हो और न ही जल भराव हो।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

दैनिक श्रमसाधना
www.shramsadhnanews.com
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

दो कक्षाएं, एक विद्यार्थी स्कूल और कोचिंग के बीच पिसती शिक्षा व्यवस्था

भारत की शिक्षा व्यवस्था में एक विचित्र स्थिति तेजी से सामान्य होती जा रही है। विद्यार्थी सुबह स्कूल जाता है और स्कूल की छुट्टी के बाद उसी विद्यार्थी की दूसरी कक्षा शुरू हो जाती है– कोचिंग की। एक ही विद्यार्थी, दो कक्षाएँ और दोनों जगह पढ़ाई का बढ़ता दबाव। सवाल यह है कि यदि प्रतियोगी परीक्षाओं की वास्तविक तैयारी स्कूल में नहीं हो पा रही है और उसके लिए अलग से कोचिंग जरूरी हो गई है, तो फिर हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था की भूमिका क्या रह गई है?

जेईई, नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने कोचिंग उद्योग को विशाल बना दिया है। कोचिंग संस्थान विद्यार्थियों को निर्धारित अध्ययन योजना, नियमित परीक्षाएँ, प्रश्न-अभ्यास और परीक्षा रणनीति उपलब्ध कराते हैं। कई विद्यार्थियों के लिए यह व्यवस्था निश्चित रूप से उपयोगी हो सकती है। समस्या कोचिंग के अस्तित्व में नहीं, बल्कि उस पर बढ़ती अनिवार्यता में है।

जब अभिभावकों और विद्यार्थियों को यह लगने लगे कि स्कूल केवल पाठ्यक्रम पूरा करने और उपस्थिति दर्ज कराने की जगह है तथा वास्तविक तैयारी कोचिंग में ही संभव है, तब यह शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। स्कूल शिक्षा की बुनियाद है, लेकिन यदि बुनियाद पर भरोसा नहीं रहेगा तो पूरी व्यवस्था का उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाएगा।

इस दोहरी शिक्षा का सबसे बड़ा असर विद्यार्थी के जीवन पर पड़ता है। सुबह से दोपहर तक स्कूल, उसके बाद कोचिंग, फिर गृहकार्य और अगले दिन की तैयारी। इस दिनचर्या में नींद, खेल, परिवार, मित्रों, रचनात्मक गतिविधियों और अपनी रुचियों के लिए समय लगातार कम होता जाता है। शिक्षा यदि विद्यार्थी को विकसित करने के बजाय उसे लगातार परीक्षा और प्रदर्शन के दबाव में रखे, तो कहीं न कहीं हम शिक्षा के मूल उद्देश्य से भटक रहे हैं।

इसका एक गंभीर सामाजिक पक्ष भी है। महँगी कोचिंग का खर्च हर परिवार नहीं उठा सकता। आर्थिक रूप से सक्षम परिवार अपने बच्चों को बेहतर संस्थान, अतिरिक्त अध्ययन सामग्री और व्यक्तिगत मार्गदर्शन उपलब्ध करा सकते हैं, जबकि कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए ये अवसर सीमित रहते हैं। इस तरह कोचिंग व्यवस्था शिक्षा में मौजूद आर्थिक असमानता को और बढ़ाने का माध्यम बन सकती है।

इसका समाधान कोचिंग संस्थानों को बंद करना नहीं है। जरूरत स्कूलों को इतना सक्षम बनाने की है कि कोचिंग मजबूरी न होकर विकल्प बने। इसके लिए शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, अवधारणात्मक समझ, तार्किक सोच और समस्या समाधान पर अधिक ध्यान देना होगा। परीक्षा प्रणाली में भी बदलाव आवश्यक है। यदि परीक्षाएँ केवल रटने और अधिक से अधिक प्रश्न हल करने की क्षमता का परीक्षण करेंगी, तो कोचिंग का दबाव स्वाभाविक रूप से बढ़ता रहेगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं की संरचना ऐसी होनी चाहिए जो विद्यार्थी की वास्तविक समझ, तार्किक क्षमता और विषय पर पकड़ को परखे। परीक्षा जितनी अधिक रटने और पैटर्न पहचानने पर आधारित होगी, कोचिंग की निर्भरता उतनी ही बढ़ेगी। भारत को दो समानांतर शिक्षा व्यवस्थाओं की जरूरत नहीं है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

1.25 करोड़ महिलाओं तक पहुंची योजना के सामाजिक और आर्थिक असर का होगा मूल्यांकन

तीन साल बाद लाड़ली बहना योजना की होगी असली परीक्षा, महिलाओं की जिंदगी में कितना आया बदलाव?

(डॉ.एल.एन.वैष्णव)

भोपाल। मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तीन वर्ष पूरे होने के बाद अब सरकार इसके वास्तविक सामाजिक और आर्थिक प्रभाव को परखने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

करीब 1.25 करोड़ महिलाओं तक पहुंच चुकी इस योजना ने महिलाओं के आर्थिक जीवन को कितना बदला, परिवार के निर्णयों में उनकी भागीदारी कितनी बढ़ी और नियमित आर्थिक सहायता का उपयोग किन जरूरतों में किया जा रहा है, अब इन सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे।

सूत्रों के अनुसार, योजना के व्यापक प्रभाव का अध्ययन अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) के माध्यम से कराया जा सकता है। प्रस्तावित अध्ययन का फोकस केवल लाभार्थियों की संख्या और वितरित राशि तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह समझने का प्रयास होगा कि योजना ने महिलाओं के जीवन में जमीनी स्तर पर किस तरह का बदलाव पैदा किया है।

1000 रुपये से शुरू होकर 1500 रुपये तक पहुंची सहायता

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत मार्च 2023 में 1000 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता के साथ हुई थी। सितंबर 2023 से सहायता राशि बढ़ाकर 1250 रुपये प्रतिमाह की गई। इसके बाद नवंबर 2025 से पात्र महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह की राशि दी जा रही है।

तीन वर्षों में योजना का दायरा लगातार बढ़ा है और बड़ी संख्या में महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सहायता मिल रही है। राशि सीधे बैंक खाते में पहुंचने के कारण महिला के नाम पर नियमित आर्थिक संसाधन उपलब्ध होने की व्यवस्था बनी है।

अब सरकार के सामने यह जानना महत्वपूर्ण है कि इस नियमित सहायता ने महिलाओं को वास्तव में कितना आर्थिक संबल दिया है।

क्या महिला की आर्थिक भूमिका मजबूत हुई?

लाड़ली बहना योजना के प्रभाव का सबसे अहम पैमाना महिलाओं की आर्थिक स्थिति में आया बदलाव होगा। अध्ययन में यह देखा जाना महत्वपूर्ण होगा कि क्या योजना की राशि मिलने के बाद महिलाओं को छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भरता कम हुई है।

इसके साथ ही घरेलू बजट में महिलाओं की भूमिका, परिवार के महत्वपूर्ण फैसलों में उनकी भागीदारी और अपनी जरूरतों पर स्वयं खर्च करने की क्षमता जैसे पहलुओं का भी आकलन किया जा सकता है।

किसी महिला के खाते में नियमित राशि पहुंचना आर्थिक सशक्तिकरण की शुरुआत जरूर हो सकती है, लेकिन वास्तविक आत्मनिर्भरता तब मानी जाएगी जब उसके पास खर्च के साथ-साथ बचत, निवेश अथवा आय बढ़ाने के विकल्प भी उपलब्ध हों।

बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर कितना असर?

योजना की राशि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों में किस हद तक मददगार साबित हुई है, यह भी अध्ययन का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। बच्चों की स्कूल फीस, किताब-कॉपी, कपड़े, दवाइयां और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों में इस राशि का कितना उपयोग हो रहा है, इससे योजना के सामाजिक प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी।

यदि नियमित सहायता के कारण परिवारों को छोटे खर्चों के लिए उधार लेने की जरूरत कम हुई है या बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ा है, तो इसे योजना के सकारात्मक परिणाम के रूप में देखा जा सकता है।

सिर्फ घरेलू खर्च या स्वरोजगार की दिशा में भी कदम?

लाड़ली बहना योजना का प्रभाव केवल घरेलू खर्च तक सीमित है या इससे महिलाओं को आय बढ़ाने के अवसर भी मिले हैं, यह एक महत्वपूर्ण सवाल रहेगा। मसलन, यदि कोई महिला सहायता राशि से छोटी बचत कर रही है, पशुपालन, घरेलू व्यवसाय, कृषि आधारित गतिविधि या किसी अन्य स्वरोजगार में पैसा लगा रही है, तो यह योजना के दीर्घकालीन आर्थिक प्रभाव का संकेत माना जा सकता है।

इसके विपरीत यदि अधिकांश राशि केवल रोजमर्रा की जरूरतों में ही खर्च हो रही है, तो यह भी सामने आएगा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से स्थायी रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए नकद सहायता के साथ कौशल, रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को जोड़ना कितना जरूरी है।

योजना से बाहर रह गई पात्र महिलाओं पर भी नजर

किसी भी बड़े सरकारी कार्यक्रम की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना जरूरी है कि पात्र महिलाओं में से कितनी महिलाएं अभी योजना का लाभ नहीं ले पा रही हैं।

बैंक खाता, दस्तावेज, ई-केवाईसी, पात्रता संबंधी शर्तों या अन्य प्रशासनिक कारणों से कोई महिला लाभ से वंचित है तो उसके कारणों की पहचान भी अध्ययन का अहम हिस्सा हो सकती है।

इससे सरकार को योजना की पहुंच और क्रियान्वयन में मौजूद कमियों को दूर करने में मदद मिल सकती है।

देश में बढ़ रहा महिला-केंद्रित डीबीटी योजनाओं का दायरा

महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देने वाली योजनाएं अब देश के कई राज्यों में लागू हैं। ईएसी-पीएम द्वारा महाराष्ट्र की लाड़की बहीण और ओडिशा की सुभद्रा योजना के प्रभाव का अध्ययन भी किया जा चुका है। इन अध्ययनों में महिलाओं की बचत, खर्च, डिजिटल भुगतान तथा शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों में बदलाव जैसे पहलुओं को देखा गया।

वर्ष 2025-26 तक देश के 15 से अधिक राज्यों में महिलाओं के लिए प्रत्यक्ष नकद सहायता योजनाएं संचालित होने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में मध्यप्रदेश की लाड़ली बहना योजना का अध्ययन राष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

18,669 करोड़ के बजट के बीच प्रभाव का मूल्यांकन जरूरी

लाड़ली बहना योजना प्रदेश सरकार की बड़ी बजटीय योजनाओं में शामिल है। वर्ष 2025-26 के लिए योजना का बजट 18,669 करोड़ रुपये बताया गया है। इतनी बड़ी राशि के सार्वजनिक व्यय के बीच यह जानना स्वाभाविक है कि योजना से समाज और अर्थव्यवस्था को किस स्तर का लाभ मिला। योजना के प्रभाव का वैज्ञानिक अध्ययन सरकार को यह समझने में मदद कर सकता है कि वर्तमान व्यवस्था में क्या बेहतर किया जा सकता है और महिलाओं को आर्थिक रूप से अधिक मजबूत बनाने के लिए आगे किन क्षेत्रों में निवेश की जरूरत है।

तीन साल बाद बदलेगा मूल्यांकन का पैमाना

लाड़ली बहना योजना की शुरुआत के समय सबसे बड़ा लक्ष्य महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना था। अब तीन साल पूरे होने के बाद मूल्यांकन का पैमाना इससे आगे बढ़ना जरूरी है।

अब यह देखना होगा कि क्या इस राशि ने महिलाओं में आर्थिक आत्मविश्वास बढ़ाया, क्या परिवार में उनकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत हुई, क्या बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और क्या महिलाओं को अपनी आय बढ़ाने के नए रास्ते मिले। सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित अध्ययन के निष्कर्ष सामने आने के बाद योजना के भविष्य के स्वरूप को लेकर सरकार को महत्वपूर्ण नीतिगत संकेत मिल सकते हैं। इससे यह तय करने में मदद मिलेगी कि योजना को मौजूदा रूप में जारी रखने के साथ-साथ महिला स्वरोजगार, कौशल विकास, वित्तीय साक्षरता और स्थायी आय के अवसरों से किस तरह जोड़ा जाए।

राज्यों में क्षेत्रीय दलों की पकड़ अब भी मजबूत

संजय कुमार, प्रोफेसर एवं चुनाव विश्लेषक

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार और उसके बाद हुए दलबदल ने क्षेत्रीय दलों की प्रासंगिकता को लेकर बहस जरूर छेड़ दी है, लेकिन इन्हें भारतीय राजनीति से समाप्त मान लेना जल्दबाजी होगी। कुछ राज्यों में चुनावी झटकों के बावजूद क्षेत्रीय दल आज भी मजबूत जनाधार बनाए हुए हैं और कई राज्यों की सत्ता में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

पिछले चार लोकसभा चुनावों और विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के वोट शेयर में बहुत बड़ा बदलाव नहीं आया है। किसी भी राजनीतिक दल के वास्तविक जनाधार को समझने के लिए वोट शेयर सबसे महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है। यह भी देखने को मिलता है कि मतदाता लोकसभा चुनावों की तुलना में विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय दलों को अधिक महत्व देते हैं। इसका कारण स्थानीय मुद्दों, नेतृत्व और क्षेत्रीय पहचान का प्रभाव है।

टीएमसी को बंगाल में हार के बाद कई नेताओं के दलबदल का सामना करना पड़ा। आम आदमी पार्टी (आप) और महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) से जुड़े नेताओं के पाला बदलने जैसी घटनाओं ने क्षेत्रीय दलों की संगठनात्मक चुनौतियों को जरूर उजागर किया है, लेकिन इसे सीधे तौर पर उनके जनाधार में कमी के रूप में नहीं देखा जा सकता।

वर्तमान राजनीतिक स्थिति में भाजपा 11 राज्यों में सरकार चला रही है, जबकि कांग्रेस की सरकारें तीन राज्यों में हैं। वहीं क्षेत्रीय दल चार राज्यों में सत्ता में हैं। इसके अलावा कई राज्यों में भाजपा या कांग्रेस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारों में क्षेत्रीय दल महत्वपूर्ण साझेदार हैं।

आंध्र प्रदेश, मेघालय, नगालैंड और पुडुचेरी जैसे राज्यों में क्षेत्रीय दल गठबंधन सरकारों में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। वहीं बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, गोवा, महाराष्ट्र और त्रिपुरा जैसे राज्यों में भाजपा क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन में सरकार चला रही है। झारखंड, जम्मू-कश्मीर और केरल जैसे राज्यों में भी क्षेत्रीय दल गठबंधन राजनीति के केंद्र में हैं।

लोकसभा चुनावों के आंकड़े भी यही संकेत देते हैं। पिछले चार चुनावों में राष्ट्रीय दलों का संयुक्त वोट शेयर लगभग 60 से 68 प्रतिशत के बीच रहा है। 2014 में राष्ट्रीय दलों को सबसे कम 60.04 प्रतिशत वोट मिले, जबकि 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 68.15 प्रतिशत तक पहुंच गया। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी राष्ट्रीय दलों का संयुक्त वोट शेयर 62.72 प्रतिशत रहा।

इसके विपरीत क्षेत्रीय दलों ने लोकसभा चुनावों में लगातार करीब एक-तिहाई वोट हासिल किए हैं। 2009 में क्षेत्रीय दलों का संयुक्त वोट शेयर 31.22 प्रतिशत था, जो 2014 में बढ़कर 35.86 प्रतिशत हुआ। 2024 में भी क्षेत्रीय दलों को कुल 33.52 प्रतिशत वोट मिले। केवल 2019 में यह आंकड़ा घटकर 28.1 प्रतिशत रहा।

भारतीय चुनाव प्रणाली में वोट शेयर और सीटों की संख्या हमेशा समान अनुपात में नहीं होती। 2014 का चुनाव इसका उदाहरण है, जब राष्ट्रीय दलों का संयुक्त वोट शेयर सबसे कम रहने के बावजूद भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था।

ECINET बना निर्वाचन सेवाओं का लोकप्रिय डिजिटल प्लेटफॉर्म

10 करोड़ से अधिक यूजर्स ने डाउनलोड किया ऐप एक ही मंच पर मिल रहीं सभी प्रमुख चुनावी सेवाएं

भोपाल, जीएनएस।
भारत निर्वाचन आयोग का ECINET नामक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगिता के लिहाज से लोकप्रिय हो रहा है। आयोग के इस मोबाइल ऐप को लगभग 10 करोड़ 80 लाख यूजर्स ने डाउनलोड किया है। यह प्लेटफॉर्म निर्वाचन संबंधी सभी जानकारी एवं सेवाओं के लिए एक समग्र डिजिटल मंच है। श्ष्टद्धह्वश्च की परिकल्पना भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर की थी। इसके विकास की घोषणा मई 2025 में की गई थी। इसका शुभारंभ दिल्ली में 22 जनवरी 2026 को किया गया था।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार का कहना है कि श्ष्टद्धह्वश्च का विकास पूर्णतः विधिक प्रावधानों के अनुरूप है। यह प्लेटफॉर्म हिंदी-अंग्रेजी सहित संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में उपलब्ध है। सूचना प्रौद्योगिकी की महानिदेशक डॉ. सीमा खन्ना ने अनुसार इस मोबाइल ऐप को कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल पर प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। उन्होंने बताया कि आज प्रौद्योगिकी केवल सहायक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक रणनीतिक सशक्त माध्यम बन चुकी है। श्ष्टद्धह्वश्च चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता, विश्वसनीयता तथा जनविश्वास को और मजबूत कर रहा है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की निर्वाचन सेवाओं को एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराने वाला विश्व का सबसे बड़ा निर्वाचन सेवा प्लेटफॉर्म है। इसमें भारत निर्वाचन आयोग के 40 से अधिक मोबाइल ऐप एवं पोर्टलों का एकीकरण किया गया है। इस प्लेटफॉर्म का विकास भारत के संविधान, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 एवं 1951, निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 तथा निर्वाचन संचालन नियम, 1961 के पूर्ण अनुपालन में किया गया है।

अब मतदाता, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल एवं अन्य हितधारकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी प्रमुख निर्वाचन सेवाएं उपलब्ध हैं। श्ष्टद्धह्वश्च का उद्देश्य अलग-अलग ऐप डाउनलोड करने और अलग-अलग लॉगिन की आवश्यकता समाप्त कर निर्वाचन सेवाओं को अधिक सरल, सुगम और डिजिटल बनाना है। नागरिकों, अभ्यर्थियों, राजनीतिक दलों तथा निर्वाचन अधिकारियों को एक सुरक्षित मंच पर जोड़ता है। इसके माध्यम से मतदाता पंजीकरण, निर्वाचक नामावली में खोज, आवेदन की स्थिति की जानकारी, उम्मीदवार संबंधी जानकारी, निर्वाचन अधिकारियों से संपर्क, बूथ स्तरीय अधिकारी (ब्क्ल्ह) से कॉल बुक करने की सुविधा, ई-श्वक्क्ढ्ढष्ट डाउनलोड, मतदान रुझान तथा शिकायत निवारण सहित अनेक महत्वपूर्ण सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध है।

ECINET पर इंडेक्स कार्ड एवं सांख्यिकीय प्रतिवेदन प्रकाशित

श्ष्टद्धह्वश्च के माध्यम से विधानसभा आम निर्वाचन एवं उपचुनाव-2026 के इंडेक्स कार्ड मतदान परिणाम घोषित होने के रिकॉर्ड 72 घंटे के भीतर उपलब्ध करा दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इंडेक्स कार्ड एवं सांख्यिकीय प्रतिवेदनों के डिजिटल अद्यतन एवं त्वरित प्रकाशन की व्यवस्था निर्वाचन आयोग द्वारा पिछले एक वर्ष में शुरू की गई 30 से अधिक प्रमुख पहलों में से एक है। श्ष्टद्धह्वश्च के प्रारंभ होने से पहले यह प्रक्रिया कई सप्ताह से लेकर कई महीनों तक चलती थी, क्योंकि क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा आंकड़ों का संकलन एवं प्रविष्टि मैन्युअल रूप से की जाती थी। इंडेक्स कार्ड में अभ्यर्थियों, मतदाताओं, डाले गए मतों, मतगणना, राजनीतिक दलवार एवं प्रत्याशीवार प्राप्त मतों सहित निर्वाचन से संबंधित विभिन्न आयामों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

भिण्ड से ग्वालियर लाई जा रही 2,200 किलोग्राम मावा की खेप पकड़ी

ग्वालियर, जीएनएस।
जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों सहित अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने महाराज बाड़ा स्थित मोर बाजार में भिण्ड से परिवहन कर लाया जा रहा 2,200 किलोग्राम मावा पकड़ा। प्राथमिक जांच में मावा का मिल्क फैट निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर छह नमूने लिए गए तथा शेष 2,190 किलोग्राम मावा, जिसकी अनुमानित कीमत 7 लाख 4 हजार रुपए है, नियमानुसार जप्त किया गया। इसी क्रम में गोपाल डेयरी, बजाजखाना से 24 किलोग्राम पनीर भी जप्त कर उसका नमूना लिया गया।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को जिले में अन्य जिलों से परिवहन के माध्यम से आने वाले मावा एवं दुग्ध उत्पादों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री लोकेन्द्र सिंह, श्री राजेश कुमार गुप्ता, श्री आनंद प्रकाश शर्मा, श्रीमती निरूपमा शर्मा एवं श्री लखनलाल कोरी की टीम ने महाराज बाड़ा स्थित मोर बाजार पहुंचकर भिण्ड से आए टाटा 407 वाहन का निरीक्षण किया।

रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर गूंजा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम'

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के बैंड की भव्य प्रस्तुति से देशभक्ति के रंग में रंगा ग्वालियर

ग्वालियर, जीएनएस।
स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को ग्वालियर स्थित रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के बैंड द्वारा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की थीम पर भव्य संगीतमय प्रस्तुति दी गई। देशभक्ति से ओत-प्रोत इस प्रस्तुति ने समाधि स्थल परिसर के वातावरण को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। राष्ट्रगीत की मधुर एवं ओजपूर्ण धुनों से ग्वालियरवासियों में देशभक्ति का संचार हुआ और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की।

स्वतंत्रता दिवस समारोहों की इसी कड़ी में ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, ग्वालियर परिसर में प्रातः 7 बजे योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इसके साथ ही ग्रुप केन्द्र के मांटेसरी स्कूल के बच्चों ने 'वंदे मातरम' का सामूहिक गान किया। इस आयोजन का उद्देश्य नन्हे विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति गौरव की भावना को और सुदृढ़ करना रहा। सम्पूर्ण कार्यक्रम अत्यंत गरिमामयी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं पुलिस बल के अधिकारियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए।

जिले के महाविद्यालयों व स्कूलों में उत्साह व उमंग के साथ निकली तिरंगा यात्राएं

ग्वालियर, जीएनएस।
'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत जिले के स्कूलों, महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं में उत्साह व उमंग के साथ गतिविधियां आयोजित हो रहीं हैं। सोमवार को जिले के विभिन्न स्कूलों व संस्थाओं में तिरंगा यात्रा निकाली गई। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज पर केन्द्रित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित गणमान्य नागरिकों ने भारतीय आन-बान एवं शान के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को हाथों में थामकर उत्साह के साथ भाग लिया । वंदे मातरम्, भारत माता की जय एवं देश भक्ति के अन्य नारों का जयघोष करते हुए सभी को अपने-अपने घरों, कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में तिरंगा लगाने का संदेश दिया।

सोमवार को ÷हर घर तिरंगा अभियान÷ के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेलवे कॉलोनी, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, पीजीवी कॉलेज एनसीसी यूनिट, शासकीय हाईस्कूल अजयपुर, शासकीय हाईस्कूल तिघरा घाटीगांव, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरई, शासकीय प्राथमिक विद्यालय नजरपुरा सहित अन्य स्कूलों में आयोजन हुए।

महर्षि वेद व्यास पूजन का श्रद्धापूर्वक आयोजन हुआ

प्राण शर्मा, गुड़गांव ।
द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय एवं भारतीय शिक्षण मंडल गुरुग्राम के संयुक्त तत्वाधान में महर्षि वेद व्यास पूजन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. कुंदन लाल पटेल ने महर्षि वेद व्यास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व, गुरु महिमा तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. पटेल ने कहा कि महर्षि वेद व्यास भारतीय ज्ञान परंपरा के महान संवाहक हैं। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता, भारतीय वेदांग , भारतीय परंपरा और संस्कृति का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों से भारतीय ज्ञान-विरासत का अध्ययन कर उसे आधुनिक संदर्भों से जोड़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यक्ष पद्म श्री डॉ सुनील डबास ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारतीय ज्ञान ,सनातन संस्कृति, मानवीय मूल्य और भारतीय इतिहास के स्वर्ण काल से अवगत कराया। महाविद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ.मनीषा राणा ने गुरु पूजन को शैक्षणिक संस्था का आवश्यक अंग मानते हुए कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से डॉ कर्मवीर, डॉ गोविंद, डॉ सीमा चौधरी, डॉ कविता, डॉ ज्योति यादव, डॉ अनु , डॉ मोनिका त्यागी ,डॉ लक्ष्मी कटारिया आदि शिक्षकों के साथ सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ विशाल यादव ने किया।

बैंकों एवं मीट की दुकानों पर कालपी पुलिस ने चलाया चैकिंग अभियान

जालौन, जीएनएस।
सावन के दूसरे सोमवार को धर्म स्थलों में महिला व भक्तो की भारी भीड़ रही इसी क्रम में सेकेंड शनिवार और रविवार की बंदी के बाद सोमवार को बैंक शाखाएं खुलने पर ग्राहकों एवं खाताधारकों की भीड़ बढ़ गई। इसे देखते हुए कोतवाली पुलिस की विभिन्न टीमों ने नगर के धर्म स्थलों तथा बैंक शाखाओं, एटीएम तथा वित्तीय संस्थानों में चेकिंग अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया इस दौरान पुलिस टीमों ने बैंकों तथा मंदिरों के परिसरों एवं आसपास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे लोगों से पूछताछ भी की। कोतवाली के उपनिरीक्षकों एवं सिपाहियों की टीमों ने भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन बैंक और एचडीएफसी बैंक सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। वरिष्ठ उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह एवं उपनिरीक्षक पुत्तूलाल महिला दरोगा ममतेश कुमारी बनखंडी मंदिर, पातालेश्वर मंदिर, बिहारी मंदिर,ढोढ़ेश्वर मंदिर, राम जानकी मंदिर आदि धर्म स्थल के अलावा मंदिरों की चैकिंग की गई। पुलिस टीम ने बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों, सायरन तथा अन्य सुरक्षा इंतजामों की स्थिति देखी साथ ही एटीएम के आसपास भी निरीक्षण किया गया बैंक के आसपास संदिग्ध रूप से घूमने वाले लोगों से पूछताछ कर पुलिस ने सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया।

दमन नहीं, संवाद से मजबूत होता है लोकतंत्र

क्या सरकारें जनता के सवालों का सामना करने को तैयार हैं?

डॉ. अजय कुमार मिश्रा

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इसमें सत्ता जनता से आती है और सरकारें जनता के प्रति जवाबदेह होती हैं। किसी भी देश या प्रदेश का वास्तविक विकास केवल बड़ी योजनाओं, आर्थिक आंकड़ों या प्रचार अभियानों से संभव नहीं होता, बल्कि तब होता है जब शासन व्यवस्था पारदर्शी हो, निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी हो और आम नागरिक को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार मिले।

लेकिन पिछले कुछ समय से लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में एक चिंताजनक प्रवृत्ति दिखाई देने लगी है। जनता द्वारा चुनी गई सरकारें कई बार यह मानने लगती हैं कि उनके निर्णय ही अंतिम और सर्वोत्तम हैं। जबकि लोकतंत्र का मूल भाव ही यह है कि सरकार के हर निर्णय की समीक्षा हो, उस पर सवाल उठें और जनता की चिंताओं को सुना जाए। सरकार की शक्ति जनता के विश्वास से आती है, इसलिए उसका पहला दायित्व भी जनता के प्रति जवाबदेही का होना चाहिए। यदि सरकारें सवालों से बचने लगें और आलोचना को विरोध मानने लगें तो यह लोकतंत्र की मूल भावना के लिए चुनौती बन जाती है।

सवाल लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, मजबूती हैं : लोकतंत्र में प्रश्न पूछना किसी व्यवस्था के खिलाफ खड़ा होना नहीं है, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाने का माध्यम है। जब नागरिक सरकार से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा, महंगाई या सामाजिक समस्याओं को लेकर सवाल करते हैं तो वे शासन व्यवस्था को मजबूत करने का काम करते हैं।

दुर्भाग्य से कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि सवालों का जवाब देने के बजाय सवाल पूछने वालों की नीयत पर सवाल खड़े किए जाते हैं। व्यक्ति, संस्था या समूह की आलोचना करके मूल मुद्दे से ध्यान हटाने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करती है।

एक स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार को आलोचना से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उसे सुधार के अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। जनता की आवाज को दबाने से समस्याएं समाप्त नहीं होतीं, बल्कि समय के साथ और गंभीर रूप ले लेती हैं।

तकनीक के दौर में निजता और नियंत्रण की चुनौती : आधुनिक तकनीक ने शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और तेज बनाया है। डिजिटल व्यवस्था, डेटा आधारित योजनाएं और ऑनलाइन सेवाएं निश्चित रूप से विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। लेकिन इसके साथ नागरिकों की निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को लेकर भी गंभीर चिंताएं सामने आई हैं।

तकनीक का उपयोग जनता की सुविधा और सशक्तिकरण के लिए होना चाहिए, न कि नियंत्रण के साधन के रूप में। सरकारों के पास जितनी अधिक शक्ति और जानकारी होगी, उतनी ही अधिक जिम्मेदारी भी होगी कि उसका

उपयोग पारदर्शिता और जनहित में किया जाए।

लोकतंत्र में मजबूत सरकार का अर्थ केवल शक्तिशाली प्रशासन नहीं होता, बल्कि ऐसी व्यवस्था होती है जहां नागरिकों का विश्वास बना रहे और उन्हें यह महसूस हो कि शासन उनके साथ खड़ा है।

हर समस्या के लिए पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं : राजनीतिक व्यवस्था में यह सामान्य प्रक्रिया है कि नई सरकारें पिछली सरकारों के कार्यों की समीक्षा करती हैं। गलत नीतियों और निर्णयों की आलोचना भी आवश्यक है, लेकिन वर्तमान समस्याओं से बचने के लिए हर मुद्दे का दोष पूर्ववर्ती सरकारों पर डालना उचित नहीं है।

जनता किसी सरकार को केवल अतीत की गलतियां गिनाने के लिए नहीं चुनती, बल्कि वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने और भविष्य को बेहतर बनाने की उम्मीद के साथ सत्ता सौंपती है। इसलिए किसी भी सरकार की वास्तविक परीक्षा यही होती है कि वह वर्तमान समस्याओं का समाधान किस प्रकार करती है और जनता के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाती है।

मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण : लोकतंत्र में मीडिया को चौथा स्तंभ कहा जाता है। उसकी जिम्मेदारी केवल सूचनाएं पहुंचाना नहीं, बल्कि जनता के मुद्दों को सामने लाना और सत्ता से सवाल करना भी है।

लेकिन जब मीडिया संस्थान आर्थिक दबावों, व्यावसायिक हितों या राजनीतिक प्रभावों के कारण जनता के सवालों से दूरी बनाने लगते हैं, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है।

स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता किसी भी लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। सरकार की उपलब्धियों को सामने लाना जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक उसकी कमियों पर सवाल उठाना भी है।

बढ़ता असंतोष भविष्य के लिए चेतावनी : आज समाज में कई स्तरों पर असंतोष बढ़ रहा है। आर्थिक असमानता, रोजगार के सीमित अवसर, बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण, ठेका व्यवस्था की चुनौतियां और युवाओं की बढ़ती चिंताएं ऐसे विषय हैं जिन पर गंभीर विचार की आवश्यकता है।

यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो इसका प्रभाव केवल सामाजिक जीवन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजनीतिक व्यवस्था पर भी दिखाई देगा।

जनता अपने असंतोष को लोकतांत्रिक माध्यमों से व्यक्त करती है और चुनाव उसका सबसे बड़ा माध्यम होता है। इसलिए किसी भी सरकार को जनता के संकेतों और चिंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए।

दमन से सत्ता चल सकती है, विश्वास नहीं : किसी भी सरकार की वास्तविक सफलता केवल कानून बनाने या प्रशासन चलाने में नहीं होती, बल्कि जनता के विश्वास को बनाए रखने में होती है।

दमन और नियंत्रण के माध्यम से शासन किया जा सकता है, लेकिन लंबे समय तक जनता के दिलों में स्थान नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें संवाद का रास्ता अपनाएं, जनता की समस्याओं को समझें और निर्णय प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

गलतियों को स्वीकार करना किसी सरकार की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी परिपक्वता का प्रमाण होता है। जो शासन अपनी कमियों को पहचानकर सुधार करता है, वह जनता का विश्वास अधिक मजबूत करता है।

अच्छे कार्यों की सराहना, गलतियों पर सवाल जरूरी : किसी सरकार द्वारा किए गए अच्छे कार्यों की प्रशंसा होनी चाहिए, लेकिन अच्छे कार्यों की आड़ में गलतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

लोकतंत्र में सरकार की उपलब्धियों का सम्मान और उसकी नीतियों की समीक्षा दोनों साथ-साथ चलते हैं। यही संतुलन लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखता है।

जनता को यह अधिकार है कि वह सरकार से सवाल पूछे और सरकार का दायित्व है कि वह उन सवालों का जवाब दे।

अब समय है जनता को सुनने का : आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें केवल सत्ता संचालन तक सीमित न रहें, बल्कि जनता के वास्तविक जीवन से जुड़ी समस्याओं को समझें। शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें, निर्णयों में पारदर्शिता रखें और संवाद की संस्कृति को मजबूत बनाएं।

प्रश्नों को दबाने से वे समाप्त नहीं होते। बल्कि अनसुने प्रश्न धीरे-धीरे असंतोष का रूप ले लेते हैं। एक जिम्मेदार सरकार वही होती है जो आलोचना को स्वीकार करे, जनता की बात सुने और आवश्यक सुधार करे।

लोकतंत्र की असली ताकत सत्ता के नियंत्रण में नहीं, बल्कि जनता की आवाज और सरकार की जवाबदेही में होती है। इसलिए सुशासन का रास्ता दमन से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और जनभागीदारी से होकर गुजरता है।

क्योंकि मजबूत लोकतंत्र वही है जहां जनता सवाल पूछने के लिए स्वतंत्र हो और सरकार उन सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हो।

डिजिटल नशा : क्या सोशल मीडिया पर भी होनी चाहिए वैधानिक चेतावनी?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया, महाराष्ट्र

डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, यूट्यूब सहित अनेक डिजिटल मंच अब केवल संवाद के माध्यम नहीं हैं, बल्कि सूचना, मनोरंजन, शिक्षा, कारोबार, राजनीति और सामाजिक संपर्क की रोजमर्रा की व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।

लेकिन सुविधा और पहुंच के इस विस्तार के साथ एक गंभीर सवाल भी सामने आ रहा है–क्या सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग अब सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा विषय बन चुका है?

जिस प्रकार कभी सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू और शराब को केवल व्यक्ति की निजी पसंद माना जाता था, लेकिन समय के साथ इनके व्यापक दुष्प्रभावों को स्वीकार करते हुए नियमन और चेतावनी की व्यवस्था विकसित हुई, उसी प्रकार अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के डिजाइन, एल्गोरिदम और बच्चों तक पहुंचने वाले हानिकारक कंटेंट को लेकर कंपनियों की जवाबदेही पर बहस तेज हो रही है।

विशेष चिंता बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर है। अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और भारत में बढ़ती कानूनी तथा नियामकीय सक्रियता यह संकेत दे रही है कि डिजिटल दुनिया में बहस अब केवल 'व्यक्तिगत उपयोग की स्वतंत्रता' तक सीमित नहीं रह गई है। सवाल यह भी है कि यदि किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म का डिजाइन उपयोगकर्ता को लगातार जोड़े रखने के लिए तैयार किया गया है और उससे पूर्वानुमेय नुकसान की आशंका है, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

क्या सोशल मीडिया पर भी हो स्वास्थ्य चेतावनी?

क्या इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर यह चेतावनी लिखी जानी चाहिए कि 'अत्यधिक उपयोग मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है'? इस विचार को पूरी तरह खारिज करने के बजाय डिजिटल सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था के एक संभावित हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए।

हालांकि केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त नहीं होगा। यदि तंबाकू जैसे उत्पादों के मामले में चेतावनी के साथ विज्ञापन, आयु-सीमा और बिक्री संबंधी नियम बनाए गए, तो सोशल मीडिया के मामले में भी बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है।

नाबालिगों के लिए स्पष्ट स्वास्थ्य और सुरक्षा चेतावनी, प्रभावी आयु सत्यापन, बच्चों के लिए सुरक्षित डिफॉल्ट सेटिंग्स, रात के समय अनावश्यक पुश नोटिफिकेशन पर नियंत्रण, अत्यधिक आकर्षक और लत पैदा करने वाले फीचर्स की समीक्षा तथा बच्चों के लिए व्यक्तिगत अनुशंसा प्रणाली की स्वतंत्र जांच जैसे उपाय इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

इसके साथ ही बाल यौन शोषण सामग्री, डीपफेक और यौन शोषण से जुड़ी सामग्री की तेज पहचान एवं हटाने की व्यवस्था, एल्गोरिदमिक सुरक्षा आकलन की स्वतंत्र निगरानी और उल्लंघन की स्थिति में प्रभावी आर्थिक दंड भी आवश्यक हो सकता है।

न्यू मैक्सिको का फैसला– 942 मिलियन डॉलर की कानूनी देनदारी

इस बहस को अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य में सामने आए मामले ने और महत्वपूर्ण बना दिया है। उपलब्ध सामग्री के अनुसार 6 अगस्त 2026 को जज ब्रायन बिएडशीड ने मेटा प्लेटफॉर्म्स को अतिरिक्त 567 मिलियन डॉलर देने का आदेश दिया। इससे मामले के दोनों चरणों की राशि मिलाकर कुल कानूनी देनदारी 942 मिलियन डॉलर हो गई।

इस राशि में से लगभग 420 मिलियन डॉलर युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य उपचार के लिए इस्तेमाल किए जाने हैं, जबकि शेष धनराशि जागरूकता, रोकथाम, स्क्रीनिंग और संबंधित कार्यक्रमों पर खर्च किए जाने की बात सामने आई है।

इससे पहले 24 मार्च 2026 को न्यू मैक्सिको की जूरी ने मेटा प्लेटफॉर्म्स को बच्चों को नुकसान पहुंचाने और प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर उपभोक्ताओं को गुमराह करने के मामले में जिम्मेदार ठहराते हुए 375 मिलियन डॉलर का सिविल पेनल्टी लगाया था। न्यू मैक्सिको डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इसे किसी बड़े तकनीकी मंच के खिलाफ राज्य द्वारा मुकदमे में हासिल की गई ऐतिहासिक जीत बताया।

इस पूरे घटनाक्रम का महत्व केवल जुर्माने की राशि में नहीं है। असली सवाल यह है कि अदालतें अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के डिजाइन और उसके सामाजिक प्रभाव को किस दृष्टि से देख रही हैं।

सवाल केवल ऐप का नहीं, पूरे डिजाइन का है

यदि किसी प्लेटफॉर्म पर लगातार नोटिफिकेशन, अनंत स्क्रॉल, ऑटोप्ले और अत्यधिक व्यक्तिगत अनुशंसा जैसी सुविधाएं उपयोगकर्ता को लंबे समय तक जोड़े रखने के लिए काम करती हैं, तो सवाल केवल यह नहीं रह जाता कि उपयोगकर्ता ने कितने घंटे सोशल मीडिया चलाया।

सवाल यह भी बनता है कि प्लेटफॉर्म ने उसे बार-बार लौटने के लिए कितना प्रेरित किया?

यहीं सोशल मीडिया को केवल एक 'ऐप' मानने के बजाय उसके पूरे व्यावसायिक मॉडल और डिजाइन की जांच का प्रश्न सामने आता है।

हालांकि यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी जरूरी है। सोशल मीडिया को सीधे तौर पर सिगरेट जितना नुकसानदायक घोषित करना अभी कोई सार्वभौमिक वैज्ञानिक या कानूनी निष्कर्ष नहीं है। दोनों की तुलना मुख्यतः इस दृष्टि से की जा सकती है कि यदि किसी व्यावसायिक उत्पाद या सेवा के डिजाइन से पूर्वानुमेय नुकसान पैदा होने की आशंका है, तो क्या निर्माता या संचालक केवल यह कहकर जिम्मेदारी से बच सकता है कि उसका उपयोग करना उपभोक्ता की व्यक्तिगत पसंद थी?

भारत में भी बढ़ रही जवाबदेही की चुनौती

अमेरिका में कानूनी कार्रवाई के समानांतर भारत में भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जवाबदेही को लेकर चर्चा तेज हो रही है। उपलब्ध सामग्री के अनुसार 5 अगस्त 2026 को भारत सरकार और मेटा के बीच हुई उच्चस्तरीय बातचीत में बच्चों की सुरक्षा, हानिकारक कंटेंट, डीपफेक और संचालन संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई।

मध्यप्रदेश लेखक संघ की गोष्ठी संपन्न

और मन में आंधियां कितनी, पता किसको : डॉ. महेंद्र अग्रवाल

शिवपुरी जीएनएस

गत दिवस म. प्र. लेखक संघ की मासिक गोष्ठी संघ के अध्यक्ष डॉ महेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता व शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ निसार अहमद के मुख्य आतिथ्य, राम कृष्ण मौर्य जी के विशिष्ट आतिथ्य में दुर्गा मठ में संपन्न हुई।संचालन राजकुमार भारतीय ने किया तो अभार प्रदर्शन अजय जैन अविराम ने।

कार्यक्रम का मंगलाचरण बसन्त श्रीवास्तव द्वारा पढ़ी गई सरस्वती वंदना से हुआ, तदुपरान्त निर्मल हरी ने अपने काव्यपाठ ने कहा- जरा भी हया का नहीं इल्म तुमको, न धीरे से बोले न पर्दा किया है। शायर याकूब साबिर ने अपनी गजल में कहा लाना बहुत जरूरी है दुनिया में इन्किलाब, अपने कलम को खूँ में डुबा कर गजल कहो। गजलकार राधेश्याम सोनी ने प्रेम का संदेश देते हुए कहा बताऊं किस तरह है जी रहा हूं मैं गमे हिज्र में अश्क पी रहा हूं मैं। अगले क्रम में बसंत श्रीवास्तव ने देश भक्ति से ओतप्रोत कविता प्रस्तुत करते हुए कहा आओ हम सब गीत लिखे प्यारे हिंदुस्तान के लहर-लहर लहराए

तिरंगा अपनी पूरी शान से। जिसे सभी श्रोताओं ने सराहा। हास्य कवि राजकुमार भारती ने अपने अंदाजे बयां करते हुए सुनाया ऊपनेत्रम को पोंछ कर, तांका झांकी रोज,मुंह पोपला पोंछता,करता किसकी खोज। अजय जैन अविराम ने छात्र आंदोलन के मुखौटे ओढ़े देशद्रोही ताकतों को इंगित करते हुए कहा- मुद्दा था जो रहा नहीं,छुपे सामने आते हैं,मां को गाली देने वाले, छात्र नहीं कहलाते है। जिसे सुन हर व्यक्ति जोश से भर गया और तालियों से समर्थन प्रदान किया। मंच से रामकृष्ण मौर्य ने सुनाया कटेगा न तन्हा सफर जिंदगी का,बनाओ मुझे है सफर जिंदगी का। डॉ निसार अहमद ने अनुरोध किया- नफरतों की दीवार यार अब तो गिरा दो,कब तलक हम लड़ते रहेंगे यार बता दो। अध्यक्ष पद पर शोभित डॉ महेंद्र अग्रवाल ने पावस को समर्पित गीत बूंद धरती पर गिरी तो प्राण पुलकित हो उठे और उस पर आपसे मिलना गजब ढा जायेगा। के बाद अपनी बात यूं कही आंधियों के पास अपना मन नहीं होता और मन में आंधियां कितनी पता किसको जिसे सुन हर कोई वाह वाह कर उठा। अंत में अजय जैन अविराम ने सदन में उपस्थित कवि शायरों और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।।

पोहरी विधायक के प्रयासों से गुरावल में डेल्टा नदी पर बनेगा बड़ा पुल

शिवपुरी जीएनएस

जिले की पोहरी विधानसभा क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग और मेरी निरंतर कोशिशों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि ग्राम पंचायत गुरावल में आदिवासी बस्ती के पास डेल्टा नदी पर 195 मीटर लंबे पुल के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। इस महत्वपूर्ण पुल के निर्माण पर लगभग 7 करोड़ 12 लाख 5 हजार की राशि खर्च होगी। बरसात के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण गुरावल और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का आवागमन प्रभावित होता था। पुल के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच भी सुगम होगी। जनता की मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना मेरी प्राथमिकता है। पोहरी के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

जिले में अभी तक 409.89 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शिवपुरी जीएनएस। शिवपुरी जिले में 01 जून 2026 से अभी तक 409.89 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 1047.88 मि.मी. औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी.है। गत वर्ष जिले में कुल 1585.86 मि.मी.वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अभी तक शिवपुरी में 437.80 मि.मी., बैराढ़ में 278 मि.मी., पोहरी में 474 मि.मी., नरवर में 398 मि.मी., करैरा में 407.20 मि.मी., पिछोर में 372 मि.मी., कोलारस में 477 मि.मी., बदरवास में 416.50 मि.मी. तथा खनियाधाना में 428.50 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

पोहरी एसडीएम ने ली पटवारियों की बैठक

राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के दिए निर्देश

शिवपुरी जीएनएस

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को पोहरी जनपद सभागार में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जेपी गुप्ता ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण को लेकर समस्त पटवारियों की बैठक ली। बैठक में नवागत तहसीलदार श्रीमती कल्पना शर्मा एवं नायब तहसीलदार श्रीमती सरिता भदौरिया भी उपस्थित रहीं।

नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा सहित लंबित प्रकरणों की हुई समीक्षा : बैठक में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, भूमि आवंटन, राजस्व वसूली,

लोकसेवा के लंबित प्रकरण, फार्मर रजिस्ट्री, सीएम हेल्पलाइन तथा बाढ़ से संबंधित प्रकरणों सहित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। एसडीएम जेपी गुप्ता ने सभी पटवारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी तरह की अनावश्यक देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजस्व बसूली बढ़ाने और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के निर्देश : एसडीएम ने सभी पटवारियों को राजस्व बसूली ब?ाने के निर्देश देते हुए पटवारी हल्का स्तर पर बसूली का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। साथ ही 7 दिवस में अतिक्रमण संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का भी समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। जुलाई माह में प्राप्त सभी लंबित शिकायतों का 7 दिवस में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में अनुभाग में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए एसडीएम ने सभी पटवारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिवर्षा या बाढ़ के कारण किसी भी व्यक्ति को नुकसान होने की स्थिति में तत्काल संबंधित वरिष्ठ अधिकारी को रिपोर्ट भेजी जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई समय पर की जा सके।

आर.के.मेमोरियल चैक एकेडमी की शतरंज प्रतियोगिता 16 अगस्त को

शिवपुरी जीएनएस। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष पर आर. के. मेमोरियल चेस एकेडमी, शिवपुरी द्वारा एक शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 16 अगस्त सुबह 11 बजे से शुरू होगी। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में आर.के.मेमोरियल चैक एकेडमी के संचालक पवन वशिष्ठ ने बताया कि स्विस लीग पर आधारित 5 राउंड में खेली जाने वाली यह प्रतियोगिता का टाइम कंट्रोल 15+5 मिनट का होगा। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ी अन्य जिलों से भी आ रहे हैं। इसमें दो वर्गों अंडर-10 और अंडर-19 प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी। प्रत्येक में प्रथम तीन प्रतियोगियों को ट्रॉफी से सम्मानित क जाएगा। इसके अलावा यंगर ब्वॉय, यंगर गर्ल्स, बेस्ट गर्ल्स को भी ट्रॉफी प्रदान की जाएगी और बाकी प्रतियोगियों को मेडल वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल वशिष्ठ विला, लहरी कोठी के पीछे, महाराणा प्रताप कॉलोनी रखा गया है।

इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाईजेशन ने तात्याटोपे ग्राउण्ड से निकाली हर घर तिरंगा और वंदे मातरम् का आगाज

सैनिक की अभिलाषा, सदा विजय पताका लहराऐ या लिपट तिरंगे में आए : कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा

शिवपुरी

इन्डियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन ने शहीद तात्या टोपे ग्राउंड पर हर घर तिरंगा और वंदे मातरम, का आगाज किया। इस देशभक्ति पूर्ण कार्यक्रम में इन्डियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व सैनिकों ने नेशन फर्स्ट की भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीदों को श्रद्धांजलि के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कोऑर्डिनेटर चन्द्र प्रकाश शर्मा ने कहा कि 17 अगस्त तक पूरे देश में राष्ट्रभक्ति का वातावरण बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। शिवपुरी जिला एक सैनिक बाहुल्य क्षेत्र है। यहां के असंख्य सैनिक देश सेवा में लगे हुए हैं। हर वार्ड, मोहल्ले, गांव में हर घर तिरंगा अभियान के तहत हमारे संगठन के सदस्य सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। हमारे संगठन का उद्देश्य देश के युवाओं में राष्ट्रभक्ति, देश- सेवा, राष्ट्र के प्रति समर्पण, राष्ट्र प्रथम की भावना का संचार करना है। युवाओं को सेना की ओर आकर्षित करना है।

इस अवसर पर इन्डियन वेटरन्स संगठन के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कोऑर्डिनेटर कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा ने सभी पूर्व सैनिकों और देशवासियों से आवाहन किया कि हर नागरिक अपना कर्तव्य निभाऐं।तिरंगे की आन, बान, शान के लिए हमारे जवान बलिदान देते रहते हैं। हम सभी शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते है। अगर हम शहीदों को याद करेंगे तो हम सदैव राष्ट्र के लिए त्याग और बलिदान के लिए तैयार रहेंगे। इस अवसर पर कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती प्रभा शर्मा, युवा अध्यक्ष तरुण शर्मा, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, शहर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजावत, कोषाध्यक्ष विशाल जोशी, पिछोर तहसील अध्यक्ष राम प्रकाश केवट, करेरा तहसील अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, सूबेदार द्वारिका प्रसाद रावत, उपाध्यक्ष गीता पवार, कोऑर्डिनेटर बृजेश राठौर, वेटरन कैलाश सिंह जादौन, वेटरन हरगोविंद ओझा, वेटरन ताज भान सिंह परमार, शिवपुरी तहसील महासचिव मनोज दीक्षित, जिला महासचिव प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे। संचालक कैलाश सिंह जादौन ने किया। महेंद्र सिंह रावत ने आभार व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विधायक रमेश खटीक को पत्र लिखकर दी जानकारी, हजारों ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

शिवपुरी/करैरा।
करैरा विधानसभा क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर बड़ी खुशखबरी सामने आई है। शासन ने करैरा विधानसभा के करही गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र को उन्नयन कर 6 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की स्वीकृति दे दी है। इसके निर्माण के लिए कुल 3 करोड़ 13 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस केंद्र के बनने से करही सहित आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों परिवारों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर इलाज की सुविधा मिल सकेगी।

मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस संबंध में करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक को पत्र क्रमांक 1743 दिनांक 31-07-26 के माध्यम से जानकारी दी है। पत्र में उप मुख्यमंत्री ने अवगत कराया है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा विधानसभा क्षेत्र करैरा के अंतर्गत स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र करही (नरवर-करैरा) को 06 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उन्नत किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए सिविल निर्माण कार्य, चिकित्सा उपकरण एवं फर्नीचर के लिए कुल 3.13 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

नरवर में सीएम के सामने रखी थी मांग

करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने बताया कि पिछले वर्ष नरवर में आयोजित एक कार्यक्रम

के दौरान उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष करही में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग प्रमुखता से रखी थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और ग्रामीणों को हो रही स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से अवगत कराया था। ग्रामीणों को छोटे-छोटे उपचार के लिए भी करैरा, नरवर या जिला मुख्यालय शिवपुरी तक जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती थी और आपात स्थिति में मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ती थी। विधायक की मांग पर संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंच से ही इसकी घोषणा की थी। अब शासन द्वारा राशि स्वीकृत होने के साथ ही वह घोषणा धरातल पर साकार होने जा रही है।

यह नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य की नई उम्मीद है। 6 बिस्तरीय इस केंद्र में प्रसव सुविधा, आपातकालीन चिकित्सा सेवा, सामान्य बीमारियों का इलाज, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। शासन ने सिविल कार्य के साथ ही उपकरण और फर्नीचर के लिए भी एकमुश्त राशि स्वीकृत की है, जिससे यह केंद्र पूरी तरह सुसज्जित और अत्याधुनिक होगा।

उप मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में विश्वास जताया है कि विधायक के सहयोग, जनसेवा के प्रति समर्पण और सतत पर्यवेक्षण से इस परियोजना का क्रियान्वयन शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी रूप से संपन्न होगा और क्षेत्र की जनता को इसका व्यापक लाभ मिलेगा।

विधायक ने जताया आभार: इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल का हृदय से आभार व्यक्त किया है। विधायक खटीक ने कहा कि उनका निरंतर प्रयास है कि करैरा विधानसभा के ग्रामीण अंचलों में भी शहरों जैसी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, मजबूत अधोसंरचना और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। जनता की आवश्यकता ही हमारी प्राथमिकता है और करैरा का सर्वांगीण विकास हमारा संकल्प है।

वहीं इस स्वीकृति के बाद पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों ने भी मुख्यमंत्री और विधायक का आभार जताया है। विधायक प्रतिनिधि रामसिया परिहार दिनारा ने कहा कि विधायक रमेश खटीक विधानसभा के हर क्षेत्र का बखूबी ध्यान रख रहे हैं और जनता से किए गए वादों को लगातार पूरा कर रहे हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

गुना, जीएनएस।
कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी किशोर कन्याल ने मंगलवार को ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव और अन्य प्रबंधों का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर ने सुरक्षा में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमानुसार पूरी सतर्कता और मुस्तैदी बरतने के कड़े निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, अग्निशमन यंत्रों की स्थिति और प्रवेश-निकास रजिस्टर की भी गहन जांच की। निरीक्षण के समय अपर कलेक्टर अखिलेश जैन सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

शिवपुरी में 15 अगस्त को जिला कांग्रेस कार्यालय पर होगा झंडा वंदन कार्यक्रम, स्वतंत्रता सेनानियों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

शिवपुरी, जीएनएस।
स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी, शिवपुरी द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय पर भव्य झंडा वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे आयोजित होगा, जिसमें कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता एकजुट होकर राष्ट्रध्वज को नमन करेंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत ठीक प्रातः 09:00 बजे राष्ट्रध्वज फहराने के साथ होगी। इसके पश्चात सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया जाएगा और देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों, अमर शहीदों और देशभक्तों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस वर्ष देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, जिसे लेकर कांग्रेस संगठन में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान और एकता का प्रतीक है। इस दिन हम सभी को लोकतंत्र, संविधान और देश की एकता-अखंडता की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। कांग्रेस पार्टी का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा रहा है, इसलिए इस दिन को गरिमामयी रूप से मनाना हमारी जिम्मेदारी है।

इनकी रहेगी उपस्थिति

इस गरिमामयी कार्यक्रम में जिले के सम्माननीय विधायकगण, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के पूर्व प्रत्याशी, नगरीय निकायों के पूर्व प्रत्याशी, सभी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षगण, नगर अध्यक्षगण, वर्तमान एवं पूर्व पार्षदगण सहित कांग्रेस पार्टी के सभी अनुषांगिक संगठनों की उपस्थिति रहेगी। जिसमें महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल, किसान कांग्रेस, पिछड़ा वर्ग विभाग, अनुसूचित जाति विभाग, अनुसूचित जनजाति विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, विधि विभाग, सोशल मीडिया विभाग सहित समस्त प्रकोष्ठों एवं विभागों के पूर्व एवं वर्तमान अध्यक्षगण और पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही जिले के सभी वरिष्ठ कांग्रेसजन, स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के सदस्य एवं समस्त सक्रिय कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित होने का विनम्र आग्रह किया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर जिला कांग्रेस कार्यालय, शिवपुरी पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि झंडा वंदन के पश्चात देश की एकता, अखंडता, आपसी भाईचारा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं के साथ सभी को मिठाई वितरित की जाएगी।

छत पर चढ़ गया गौवंश, गौसेवकों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद उतारा

मुरैना, जीएनएस।
शहर में लापरवाही का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। नगर निगम के न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक गौवंश मकान की छत पर चढ़ गया। सीढ़ियां टूटी होने और जगह तंग होने के कारण गौवंश नीचे नहीं उतर पा रहा था और 2 दिनों से छत पर ही फंसा हुआ था। जिसकी जानकारी गौसवक रुद्रप्रताप सिंह को स्थानीय निवासी कल्ला सिकरवार ने दी सूचना मिलते ही गौ रक्षा दल के गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह,हर्ष गौड़,कुलदीप तिवारी मौके पर पहुंचे। लगभग 2 घंटे की मशक्कत के बाद रस्सी, लकड़ी और स्थानीय लोगों की मदद से गौवंश को सुरक्षित नीचे उतारा गया। गौवंश को हल्की चोटें आई हैं जिसका प्राथमिक उपचार किया गया। गौ रक्षा दल के प्रदेश महामंत्री रुद्रप्रताप सिंह ने कहा: शहर में बेसहारा गौवंश के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं है, इसलिए वो घरों और छतों पर चढ़ जा रहे हैं। नगर निगम और प्रशासन गौशालाओं की व्यवस्था करने में विफल है। गौसेवकों की तत्परता से गौवंश की जान बच गई। स्थानीय लोगों ने गौ रक्षा दल का आभार जताया।

भिण्ड। मेहगांव थाना पुलिस ने ग्राम कन्हारी स्थित आरोग्य धाम के पास गोरमी रोड से दो संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी में एक आरोपी के कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा, जबकि दूसरे के पास से 315 बोर के दो जिंदा राउंड और 32 बोर का एक जिंदा राउंड बरामद हुआ।

अभिभाषकगण ने धरना देकर उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ चुनाव शीघ्र कराने की मांग की

ग्वालियर, जीएनएस।
उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ ग्वालियर में लंबित चुनाव शीघ्र कराने की मांग पर आज दिनांक 11.08.2026 को गेट नंबर 03 हनुमान मंदिर के पास एडवोकेट्स ने धरना दिया। धरना पर उपस्थित अभिभाषकों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान कार्यकारिणी का समय अप्रैल 2025 में ही समाप्त हो चुका है, लेकिन आज दिनांक तक चुनाव न कराकर उक्त कार्यकारिणी घोर अलोकतांत्रिक तरीके से अवैधानिक रूप से कार्य कर रही है, बार का चुनाव न कराने के कारण अभिभाषकों में रोष हैं, उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ ग्वालियर कार्यकारिणी ने आज दिनांक तक साधारण सभा बुलाकर आय व्यय का ब्यौरा तक नहीं दिया है, जिसके चलते अभिभाषकों में रोष है, और वे तमाम शंका और आशंकाओं से घिरे हुए है। वक्ताओं ने ऐलान किया है कि जल्द चुनाव कराने की घोषणा नहीं की गई ।

फूलन देवी की जयंती के उपलक्ष में कालपी नगर से उनकी प्रतिमा स्थल तक निकाली रैली

जालौन, जीएनएस।
सोमवार को वीरांगना फूलन देवी की 63 वीं जयंती के अवसर पर तहसील क्षेत्र के ग्राम मदारपुर कालपी में निषाद समाज के तत्वावधान में भव्य रैली का आयोजन किया गया। महारैली को लेकर निषाद समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में समाज के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

महारैली की शुरुआत व्यास मंदिर से की गई। इसके बाद वीरांगना फूलन देवी के सम्मान में लोगों ने पैदल मार्च निकाला। कार्यक्रम के उपरांत गोष्ठी का आयोजन कर शिक्षा, सामाजिक एकजुटता तथा संविधान के प्रति जागरूकता पर चर्चा की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान द्वारा की गई, जबकि संचालन बाबू सिंह निषाद ने किया। मुख्य वक्ता अधिवक्ता सतीश चंद्र निषाद ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज की तरक्की के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण

माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज को अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए अधिवक्ता सतीश चंद्र निषाद ने कहा कि यदि समाज अथवा पार्टी की ओर से जिला पंचायत चुनाव लड़ने का अवसर मिलता है तो वीरांगना फूलन देवी के गांव में उनके सम्मान में भव्य स्मारक का निर्माण कराने तथा शिक्षा के क्षेत्र में विशेष व्यवस्था कराने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में पूर्व प्रधान उमाशंकर निषाद, पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता संघ कालपी अमर सिंह निषाद, छोटेलाल निषाद, अधिवक्ता रामजी रामसखा, प्रधान बाल सिंह निषाद, प्रदीप कुशवाहा, जय सिंह निषाद सहित बड़ी संख्या में निषाद समाज के लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने वीरांगना फूलन देवी के जीवन, संघर्ष और सामाजिक सरोकारों को याद करते हुए समाज में एकजुटता बनाए रखने तथा शिक्षा के माध्यम से नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

भाकपा के राष्ट्रीय आव्हान के तहत ग्वालियर में पांचवी पदयात्रा संपन्न

ग्वालियर, जीएनएस। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रव्यापी पदयात्राओं के आव्हान के तहत ग्वालियर में पांचवी पदयात्रा आज शाम बजे 05 बजे सुरेश नगर सरकारी मल्टी से भटेले मेडिकल मुरार ग्वालियर तक पदयात्रा, पर्चा वितरण, जनसंपर्क कर सभा की। पदयात्रा का नेतृत्व मुरार कमेटी के सचिव एवं जिला ग्वालियर के सहसचिव कॉम शैलेश परमार, कॉम अशोक पाठक, कॉम बिरखा राम, महिला नेत्री कॉम अंजली परमार ने किया।

पदयात्रा के दौरान भटेले मेडिकल चौराहे पर सभा को म प्र राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड संजीव राजपूत, कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट, कॉम अशोक पाठक, कॉम अंजली परमार, कॉम अनवर खान ने संबोधित किया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी म प्र राज्य कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला ग्वालियर सहसचिव कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट ने विज्ञप्ति जारी कर कहां कि देश की मेहनतकश जनता, किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान, महिलाएं, नोटबंदी से पीड़ित व्यवसायी वर्ग,कर्मचारी सभी केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण त्राहिमाम है सभी बदलाव चाहते हैं।

बदलाव जरूरी है क्योंकि केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद भारत के संवैधानिक मूल्यों, लोकतन्त्र , अभिव्यक्ति की आज़ादी,

सामाजिक न्याय, समाजवाद , धर्म निरपेक्षता, सार्वजनिक क्षेत्र, मेहनतकश जनता के हितों पर संकट पैदा किया है । छात्र और नौजवानों पर आंदोलन के दौरान क्रूरता पूर्वक हमले किए जा रहे हैं। देश की सभी संस्थाओं पर पूर्ण कब्जा कर लिया है देश की संपत्ति को बड़े पूंजीपतियों को सोपा जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप नौजवानो को रोजगार नहीं । पूंजीवादी और फासीवादी ताकतों के जन विरोधी गठजोड़ से जनता बेहाल है। लगातार बढ़ती महंगाई , बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है। संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ध्वस्त किया गया है। भारत सरकार की अमेरिकी साम्राज्यवाद परस्त नीतियों से सारी दुनिया में भारत की छवि पर आंच आई है। ऐसे संकट के समय में जनहित के लिए हमारी प्रतिबद्धता और फासीवाद के प्रतिरोध के संकल्प की अभिव्यक्ति तथा मेहनतकश जनता की पक्षधर राजनीतिक चेतना के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 6 से 15 अगस्त तक पदयात्रा की जा रही है। आम जनता से अपील है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आव्हान बदलाव जरूरी है को साकार करने नई दिल्ली रामलीला मैदान में 01 सितंबर 26 को आयोजित विशाल आमसभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने एवं संघर्ष फंड मैं अपना आर्थिक सहयोग देने की अपील है।

आज पदयात्रा में कॉमरेड संजीव राजपूत, कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट, कॉम शैलेश परमार, कॉम बिरखा राम, कॉम प्रीतम माहौर, कॉम अनवर खान, कॉम अशोक पाठक, कॉम प्रकाश वर्मा, कॉम अब्दुल शाहीद, कॉम सुनील खरेटिया, कॉम सुरेंद्र सविता, महेश शाक्य, काशीराम वर्मा, प्रवीण खान, श्याम बाई, गीता कौशल, माया देवी, शशि शाक्य, द्रोपती विश्वकर्मा, मोनिका, मोहिनी, रूबी, मुन्नी देवी,किरण, उषा यादव, रजनी वर्मा, उषा वर्मा, मालती जाटव, शगुन आदिवासी, कविता, गीता जाटव, पूजा वर्मा , मुन्नी देवी, मीराबाई, मनीष, राजा देवी, मुन्नी बाई, कलावती, फूलवती, दीपकली, प्रेमा, पूजा, मधु, माया, चंपा कुशवाहा, लक्ष्मी आदि बड़ी संख्या में महिला पुरुषों ने भाग लिया।

ट्रॉमा सेंटर के वेंटिलेटर महीनों से खराब, गंभीर मरीज आगरा रेफर

फिरोजाबाद, जीएनएस। मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर में गंभीर मरीजों के इलाज की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यहां लगे वेंटिलेटर पिछले कई महीनों से खराब बताए जा रहे हैं। ऐसे में गंभीर हालत में पहुंचने वाले मरीजों को वेंटिलेटर की सुविधा नहीं मिल पा रही है। हालत बिगड़ने पर उन्हें आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया जा रहा है। आरोप है कि रविवार को समय पर वेंटिलेटर सुविधा नहीं मिलने से एक

लाखों की मशीनें बनीं कबाड़, समय पर वेंटिलेटर न मिलने से बालिका की मौत का आरोप

बालिका तान्या पुत्री भीकम सिंह निवासी सुहाग नगर सेक्टर नबर 4 की मौत हो गई। ट्रॉमा सेंटर में सड़क हादसों और गंभीर बीमारियों के मरीज रोजाना पहुंचते हैं। जिन मरीजों के फेफड़े ठीक से काम नहीं करते, उन्हें इंट्यूबेट कर वेंटिलेटर पर रखा जाता है। लेकिन यहां वेंटिलेटर खराब होने के कारण मरीजों को अस्थायी व्यवस्था के सहारे रखा जा रहा है। हालत गंभीर होने पर उन्हें आगरा भेज दिया जाता है। इस दौरान रास्ते में भी मरीज की हालत बिगड़ने का खतरा बना रहता है। वहीं एचडीयू वार्ड में भी वेंटिलेटर खराब पड़े हुए हैं परंतु मेडिकल कॉलेज प्रशासन का इस और कोई ध्यान नहीं हैस्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, वेंटिलेटरों के खराब होने की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों को दी जा चुकी है। इसके बावजूद मशीनों की मरम्मत या उन्हें बदलने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों का दावा है कि ट्रॉमा सेंटर में उपलब्ध वेंटिलेटर फिलहाल मरीजों के इस्तेमाल लायक नहीं हैं। मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने के दावे किए जाते हैं।

डीएम ने तिरंगा फहराकर किया हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ

फिरोजाबाद, जीएनएस। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने सोमवार को तिरंगा फहराकर हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने जिलेवासियों से अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की अपील की।

जिलाधिकारी ने कहा कि तिरंगा देश की आन-बान-शान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। हर नागरिक को अपने घर, कार्यालय और प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराकर अभियान में सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य लोगों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाना है। डीएम ने जिलेवासियों से तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर #HarGharTiranga के साथ पोस्ट करने की अपील की।

सवर्ण आयोग के गठन की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

फिरोजाबाद, जीएनएस। भारतीय सवर्ण संगठन ने सवर्ण समाज के साथ भेदभाव और उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। संगठन ने राष्ट्रीय सवर्ण आयोग के गठन को लेकर सरकार से जल्द निर्णय लेने की मांग की।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि सात अगस्त 1990 को मंडल आयोग की सिफारिशें लागू किए जाने के बाद सवर्ण समाज के युवाओं ने इसका विरोध किया था। संगठन ने दावा किया कि आंदोलन के दौरान 386 युवाओं ने बलिदान दिया। आठ अगस्त को सवर्ण समाज के लिए काला अध्याय

बताते हुए संगठन ने कहा कि वर्तमान में भी शिक्षा, रोजगार, कल्याणकारी योजनाओं और राजनीति में सवर्णों के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

ज्ञापन में कहा गया कि सवर्ण समाज की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए अन्य वर्गों के आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय सवर्ण आयोग का गठन आवश्यक है। इससे सवर्णों के साथ होने वाले कथित भेदभाव और उत्पीड़न के मामलों का निस्तारण सुनिश्चित हो सकेगा।

ये उठाई प्रमुख मांगें

सवर्ण उत्पीड़न निवारण अधिनियम बनाया जाए। राष्ट्रीय सवर्ण आयोग का संवैधानिक दर्जे के साथ गठन किया जाए। सवर्णों के साथ जातीय उत्पीड़न और भेदभाव पर रोक लगाई जाए। ज्ञापन देने वालों में कौशल किशोर उपाध्याय पवन उपाध्याय वीनेश शर्मा रमाकांत पचौरी अंकुशयादव आकाशगुप्ता मुकेश कुमार धर्मेंद्रसिंह चक सोनू प्रजापति योगेश यादव मोहित यादव राजवीर सिंह के अलावा अनेको लोग उपस्थित थे।

छात्रों ने किया रामदास घाटी पार्क में पौधरोपण

ग्वालियर। एक पेड़ माँ के नाम एवं अमृत हरित महाअभियान के तहत सोमवार को रामदास घाटी पार्क में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नगर निगम के पार्क विभाग के अधिकारियों, एवं एएमआई शिशु मंदिर स्कूल के विद्यार्थियों ने वृहदस्तर पर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद उद्यान निरीक्षक श्री राजकुमार राजावत , श्री अंकित परिहार और एएमआई शिशु मंदिर के स्कूली बच्चों ने पार्क परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। इस अवसर पर एएमआई स्कूल प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का स्वाभाविक विकास होता है।

समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर तीन कर संग्रहकों को नोटिस जारी

ग्वालियर। विगत दिनों नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय द्वारा ली गई राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक से तीन राजस्व कर संग्रहक बिना अनुमति लिए अनुपस्थित रहे, इसके साथ ही इन तीनों कर संग्रहकों ने कम वसूली भी की है। इसके चलते नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने तीनों कर संग्रहकों को कारण बताओं नोटिस जारी किया है। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने 5 अगस्त 2026 को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक ली थी। बैठक में बिना कोई पूर्व सूचना एवं कारण के कर संग्रहक श्री रवि चौरसिया, श्री दिनेश जाटव, श्री राकेश खरे अनुपस्थित रहे। बिना सूचना अनुपस्थित रहने एवं कम वसूली करने पर तीनों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 को उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा

ग्वालियर, जीएनएस। स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त को ग्वालियर में भी पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। आयोजन की सभी तैयारियां समय रहते विभागीय अधिकारी पूर्ण करें। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश के नाम संदेश का सीधा प्रसारण भी किया जायेगा। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ आकर्षक परेड भी निकाली जायेगी।

आयोजन के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह, हर घर तिरंगा अभियान के साथ-साथ शासन के अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद, अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर सहित जिले के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए हैं कि विभागीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन समय-सीमा में पूर्ण करें। समारोह पूर्ण गरिमा और भव्यता के साथ आयोजन हो, इसके लिये सभी तैयारियां की जाएं। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में 9 से 17 अगस्त तक ÷हर घर तिरंगा अभियान÷ के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों में समाज के सभी वर्ग शामिल हों। स्कूल, कॉलेजों में भी विभिन्न आयोजन कर बच्चों को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ा जाए।

धर्म को सही ढंग से जीना सिखाया था राष्ट्रसंत से सम्मानित आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी ने

126 बी जन्म जयंती पर विशेष

अशोक कोचेटा

शिवपुरी। राष्ट्रसंत की मानद उपाधि से सम्मानित स्थानकवासी जैन समाज के आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी महाराज की देश भर में 12 अगस्त को 126 वीं जन्म जयंती धूमधाम, उत्साह और धार्मिक आयोजनों के साथ मनाई जा रही हैं। आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी उन विरले संतों में से एक हैं। जिन्होंने धर्म को सही ढंग से परिभाषित किया था। वह अपने प्रवचनों में अक्सर कहते थे कि धर्म का उद्देश्य केवल पूजा पाठ नहीं बल्कि आत्मा को कषायों से मुक्त कर चरित्रवान बनाना हैं। धर्म सिर्फ व्यक्तिगत रूप से मोक्ष की यात्रा नहीं हैं बल्कि संसार को स्वर्ग बनाना भी धर्म का प्रमुख लक्ष्य हैं। मानवता की सेवा को वह धर्म का व्यावहारिक और यथार्थ रूप मानते थे। यही कारण है कि उनके द्वारा स्थापित आनंद धाम मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जिसमें अस्पताल, नेत्रालय, मानव सेवा, जीव दया और सामाजिक कल्याण के विभिन्न कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। संस्कार निर्माण में भी आचार्य श्री द्वारा स्थापित आनंद धाम में अहम भूमिका हैं। यहां जैन आगम नवकार मंत्र सामायिक, प्रतिक्रमण और नैतिक शिक्षा का प्रशिक्षण निरंतर जारी है।

आचार्य आनंद ऋषि जी का जन्म 27 जुलाई 1900 को अहमदनगर जिले के चिनचौड़ी गांव में हुआ। उनके पिता का नाम देवीचंद और माता का नाम हुलसा बाई था। आचार्य श्री को बचपन में नेमीचंद के नाम से पुकारा जाता था। बाल्यकाल से ही उनका मन धर्म में ही रमता था। बचपन में जहां बच्चों को खेलकूद में आनंद आता था वहीं छोटी सी उम्र से ही आचार्य श्री धार्मिक क्रियाऐं करने लगे थे। महज 13 वर्ष की उम्र में उन्होंने आचार्य रत्न ऋषि जी महाराज को गुरू बनाकर महाराष्ट्र के मिरी गांव में

दीक्षा ग्रहण कर ली। अपने गुरू को वह भगवान की तरह पूजते थे और उनकी हर आज्ञा को शिरोधार्य करते थे। दीक्षा के बाद उनका नाम आनंद ऋषि रखा गया और उन्होंने संस्कृत, प्राकृत तथा जैन आगमों का गहन अध्ययन प्रारंभ कर दिया। 1920 में अहमद नगर में उन्होंने अपना पहला प्रवचन दिया और पूरे भारत में बिहार कर अहिंसा, संयम, स्वाध्याय और सदाचार का प्रचार किया। उन्होंने अनेक शिक्षण एवं धार्मिक संस्थाओं की स्थापना के लिए प्रेरणा दी। जहां तक उनके अतुलनीय व्यक्तित्व का सवाल हैं तो वह गुणों की खान थे। उनकी स्मरण शक्ति बहुत अद्भुत थी। उन्हें जैन शास्त्रों का गहन ज्ञान था। अत्यंत विद्वान होने के बाद भी उनका व्यक्तित्व वेहद सरल था और वह बहुत विनम्र स्वभाव के संत थे। अहंकार उन्हें छू भी नहीं गया था। क्षमा और करुणा के वह आदर्श थे। अनुशासित साधना और तप के लिए उनकी विशेष पहचान थी। वर्ष 1964 में उन्हें वर्तमान स्थानकवासी श्रमण संघ का आचार्य सर्वसम्मति से घोषित किया गया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने साधु साध्वियों तथा श्रावकों का मार्गदर्शन किया और संघ को संगठित रूप से आगे बढ़ाया। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतराव नायक ने उन्हें राष्ट्र संत की उपाधि से सम्मानित किया और भारत सरकार ने उनके निधन के पश्चात उनकी स्मृति में एक डाक टिकट भी जारी किया। 28 वर्षों तक आचार्य के पद को सुशोभित करने के बाद 28 मार्च 1992 को उनका स्वास्थ्य खराब हुआ और उन्होंने अंत समय में संलेखना कर अपनी देह से मुक्ति प्राप्त कर अमृतत्व प्राप्त किया। उनकी 126 वीं जन्म जयंती पर उनके श्री चरणों में सादर नमन।

श्रावकों को इस तरह से बुराईयों से दिलाई मुक्ति

आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी महाराज के शारीरिक लक्षणों को देखकर एक ज्योतिषी ने भविष्यवाणी की थी कि या तो यह बालक सांसारिक क्षेत्र में आध्यात्मिक उन्नति और यश कीर्ति को प्राप्त करेगा अथवा बहुत महान संत बनेगा। उनके पैर में पदम चिन्ह था। जिसे देखने के लिए भक्तों लालायित रहते थे। आचार्य श्री केवल उन्हीं श्रावकों को पद्म चिन्ह दिखाते थे जो अपनी किसी बुराई को छोड़ने का संकल्प लेता था।

आचार्य श्री की जयंती पर पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम

श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कोचेटा और मूर्ति पूजक जैन समाज के अध्यक्ष तेजमल सांखला ने बताया कि आचार्य श्री आनंद ऋषि जी महाराज की 126 वीं जयंती पर शिवपुरी के पोषद भवन में प्रसिद्ध जैन साध्वी प्रमोद कुंवर जी, साध्वी चेतना जी और साध्वी स्मिता जी के मार्गदर्शन में पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन चल रहा है। प्रथम दिन लोगस्स का पाठ, दूसरे दिन तीन-तीन सामयिक का तेला और तीसरे दिन वंदना दिवस के रूप में मनाया गया। 12 अगस्त को चौथे दिन श्रावक और श्राविकाऐं बड़ी संख्या में आईबिल व्रत कर आचार्य श्री को भावांजलि अर्पित करेंगी और वहीं 13 अगस्त को अंतिम दिन आचार्य श्री के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन का राष्ट्रभक्ति महोत्सव बनाएंगे : वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना

आगरा, जीएनएस।

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन का राष्ट्रभक्ति महोत्सव बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, गौरव, एकता, अखंडता और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के अमर बलिदान का प्रतीक है।

श्री खुराना ने आगे कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान घर-घर राष्ट्रप्रेम की अलख जगाने के साथ राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक समरसता, भाईचारे और कर्तव्यबोध को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। प्रत्येक नागरिक अपने घर, दुकान, कार्यालय और प्रतिष्ठान पर तिरंगा पूरे सम्मान एवं गरिमा के साथ फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करे।

उन्होंने युवाओं से 'सेल्फी विद तिरंगा' सहित सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। शिक्षण संस्थानों में तिरंगा, वंदे मातरम् और स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया। वरिष्ठ समाजसेवी ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों और राष्ट्र की स्वतंत्रता की रक्षा में समर्पित वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय स्वाभिमान और सामाजिक एकता का जनआंदोलन है।

युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत : संजीव नायक

लहार, जीएनएस।

क्षेत्र के ग्राम काथा में आयोजित ग्राम चौपाल में प्रदेश सहसंयोजक संजीव नायक एडवोकेट ने बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं की भूमिका, नशामुक्त समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य और राष्ट्र निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस मौके पर संजीव नायक ने कहा कि ÷युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। जिस देश का युवा जागरूक, शिक्षित, स्वस्थ और संस्कारवान होगा, उस देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।÷ उन्होंने कहा कि युवाओं के भीतर अपार ऊर्जा और प्रतिभा है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि इस ऊर्जा को सही दिशा दी जाए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसी बुराइयों से पूरी तरह दूरी बनाएं और अपनी ऊर्जा का उपयोग शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, रोजगार एवं समाजसेवा जैसे सकारात्मक कार्यों में करें। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। यदि युवा नशे से दूर रहेंगे तो समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि आज के युवा देश के वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के भी निर्माता हैं। युवा अपने गांव और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनें तथा अन्य युवाओं को भी नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें। ग्राम चौपाल के दौरान संजीव नायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर तिरंगा' अभियान का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों एवं युवाओं से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आग्रह किया।

श्रीरामकृष्ण कुंज में हुआ गौड़ीय वैष्णव आचार्य श्रील विश्वनाथ चक्रवर्ती द्वारा रचित 'श्रीस्तवामृत लहरी' ग्रंथ का विमोचन

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। रमण रेती (सुनरख रोड़) स्थित श्रीरामकृष्ण कुंज में गौड़ीय वैष्णव आचार्य श्रील विश्वनाथ चक्रवर्ती रचित ÷श्रीस्तवामृत लहरी÷ ग्रंथ का विमोचन विभिन्न सन्तों, विद्वानों व धर्माचार्यो की पावन सानिध्य में अत्यन्त हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ हुआ। विमोचन समारोह में श्रीपीपापीठाधीश्वर जगद्गुरु बाबा बलराम दास देवाचार्य महाराज, चंद्रोदय मंदिर के प्रमुख अनंतवीर दास महाराज, प्रमुख समाजसेवी एवं इतिहासकार पं कपिल उपाध्याय, धर्मरक्षा संघ के अध्यक्ष सौरभ गौड़, भागवताचार्य अशोक शास्त्री, प्रख्यात साहित्यकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, हरिप्रिय दास, केशवदेव, श्यामसुंदर दास, दासाभास डॉ. गिरिराज, कालीचरण सिंह, डॉ. राधाकांत शर्मा, हेमांग दास आदि ने समवेत

रूप से इस ग्रंथ का विमोचन किया। ज्ञात हो कि विश्वनाथ चक्रवर्ती पाद रचित ÷श्री स्तवामृत लहरी÷ ग्रंथ का हिंदी भाषा में विश्व में प्रथम बार प्रकाशन हुआ हैइस ग्रन्थ का बंगला भाषा से हिंदी में अनुवाद डॉ. भागवत श्यामदास ने किया। उन्होंने बताया कि पूज्य पिताजी ब्रजविभूति श्यामदास द्वारा पूर्व में लगभग सवा सौ ग्रंथों का अनुवाद उन पर टीका और उनका प्रकाशन किया जा चुका है। यह सब प्रकाशन एक अव्यावसायिक संस्थान श्री हरिनाम संकीर्तन मंडल के द्वारा किया जाता है और ग्रंथ विक्रय से प्राप्त होने वाले एक-एक रुपये की राशि पुनः ग्रंथ प्रकाशन में व्यय की जाती है।

विश्व आदिवासी दिवस पर 'मंच एक, कार्यक्रम अनेक' बौद्ध लेखी, शिलालेख व स्तंभलेख पर संगोष्ठी, स्वाति डोमर का सम्मान,'मुदिता' चिल्ड्रन धम्मलिपि लर्निंग बुक का विधिवत विमोचन

!! जनमन वाणी जसमन सिंह मौर्य की कलम से !!

शिवपुरी। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वर्षावास महोत्सव 2026 के तहत दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) जिला शाखा शिवपुरी के तत्वावधान में रविवार, 9 अगस्त 2026 को होटल मातोश्री शिवपुरी में ÷मंच एक, कार्यक्रम अनेक देखने को मिला÷ कार्यक्रम में बौद्ध लेखी, शिलालेख एवं स्तंभलेख विषय पर संगोष्ठी, धम्मलिपि आधारित मुदिता (चिल्ड्रन धम्मलिपि लर्निंग बुक्स) का विमोचन, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर अर्थशास्त्र में असिस्टेंट प्रोफेसर बनीं कु. स्वाति डोमर का सम्मान तथा स्थानांतरित अधिकारियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के जिला अध्यक्ष राजाराम गोविल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विदिशा के डिप्टी कलेक्टर एवं लेखक-धम्मलिपिकार मोतीलाल अहिरवार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. धरमदास परमहंस, अधिष्ठाता शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय बुधनी, तथा विशेष अतिथि के रूप में गोपाल सिंह जाटव, रेंज ऑफिसर कोलारस उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष (भा.बौ.म. मध्यप्रदेश उत्तर) आयु. आर.सी. दिवाकर, जिला न्यायाधीश राजीव कुमार गौतम, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एन.के. राहुल, प्रोफेसर गुलाब सिंह जाटव, अजाक्स महासचिव पटवारी अनिल भगोरिया तथा दौलत सिंह जाटव सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ तथागत गौतम बुद्ध, वीर बिरसा मुंडा एवं

बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर सामूहिक बुद्ध वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन गिरिराज हिंडोलिया एवं प्रमोद सगर ने किया। वक्ताओं ने अपनी बात रखते हुए धम्मलिपि के महत्व पर हुआ मंथन सर्वप्रथम विशेष अतिथि अनिल भगोरिया, दौलत जाटव , प्रोफेसर गुलाब शंकर, कोलारस वन रेंजर गोपाल जाटव, नन्हा सा बालक ज्ञानदीप बौद्ध, आर.सी. दिवाकर जिन्होंने अपना पूरा समय मुख अतिथियों के लिए दिया, बृजेश गोलिया बीआरसी कार्यालय कोलारस, वरिष्ठ शिक्षक नरेंद्र राहुल, जिला न्यायाधीश राजीव कुमार गौतम, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. धरमदास परमहंस, विदिशा डिप्टी कलेक्टर मोतीलाल अहिरवार ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मोतीलाल अहिरवार ने बौद्ध लेखी, शिलालेख एवं स्तंभलेख विषय पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बुद्ध एवं सम्राट अशोक के इतिहास को समझने और उसे जीवंत रूप में वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने में धम्मलिपि का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने वर्तमान समय में धम्मलिपि की उपयोगिता तथा भविष्य में इसके अस्तित्व और संरक्षण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

डॉ. धरमदास परमहंस, आर.सी. दिवाकर, जिला न्यायाधीश राजीव कुमार गौतम सहित अन्य अतिथियों ने भी विषय पर अपने विचार रखते हुए बौद्ध इतिहास, धम्मलिपि, सामाजिक जागरूकता एवं इसके संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर अर्थशास्त्र विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित कु. स्वाति डोमर का सम्मान किया गया। अतिथियों ने उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए इसे समाज एवं युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम के दौरान धम्मलिपिकार एवं डिप्टी कलेक्टर मोतीलाल अहिरवार द्वारा विरचित/लिखित मंच पर उपस्थित समस्त अतिथियों द्वारा 'मुदिता' चिल्ड्रन धम्मलिपि लर्निंग बुक का विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर धम्मलिपि के अध्ययन एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपस्थित सभी उपासक-उपासिकाओं को मुदिता बुक उपहार स्वरूप वितरित की गई। वक्ताओं ने कहा कि बच्चों को धम्मलिपि एवं बौद्ध इतिहास से जोड़ने की दिशा में ऐसी पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुदिता लर्निंग बुक के माध्यम से नई पीढ़ी को धम्मलिपि सीखने तथा बौद्ध विरासत को समझने का अवसर मिलेगा। आयोजन में पुस्तक प्राप्त करने वाले उपासक-उपासिकाओं ने इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में स्थानांतरित डिप्टी कलेक्टर मोतीलाल अहिरवार एवं मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. धरमदास परमहंस के स्थानांतरण पर विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने दोनों अधिकारियों के कार्यकाल को स्मरण करते हुए उनके आगामी कार्यक्षेत्र के लिए शुभकामनाएं दीं।

लगभग 60 हजार लाड़ली बहनाओं के खातों में पहुँची उज्वला योजना की 3.20 करोड़ की अनुदान राशि

ग्वालियर जिले के हितग्राहियों के खातों में भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पहुँचाई धनराशि

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर जिले के 73 हजार 717 सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 4 करोड़ 42 लाख से अधिक और प्रधानमंत्री उज्वला योजना में शामिल जिले की लगभग 60 हजार लाड़ली बहनाओं के खातों में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को भोपाल से सिंगल क्लिक के जरिए लगभग 3 करोड़ 20 लाख रुपए की धनराशि पहुँचाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किए गए राशि अंतरण को

ग्वालियर जिले के हितग्राहियों ने वेबकास्टिंग के जरिए देखा। कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में भी कुछ हितग्राही यह कार्यक्रम देखने पहुँचे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से मंगलवार को समग्र पेंशन योजना के अंतर्गत प्रदेश के 35 लाख हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के जरिए 211.53 करोड़ रुपए की धनराशि अंतरित की। जिसमें ग्वालियर जिले के हितग्राही भी शामिल हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री उज्वला योजना की एलपीजी कनेक्शनधारी प्रदेश की 22 लाख लाड़ली बहनाओं के खाते में लगभग 99 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मुख्यमंत्री द्वारा अंतरित की गई। जिसमें ग्वालियर जिले की लगभग 60 हजार लाड़ली बहनायें लाभान्वित हुई हैं।

भोपाल में आयोजित हुए कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत भी शामिल हुए। यहां कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अरविंद भदौरिया व सहायक संचालक सामाजिक न्याय सुश्री नम्रता गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं हितग्राही मौजूद थे। मुख्यमंत्री द्वारा धनराशि अंतरित करने के बाद संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल ने ग्वालियर जिले के विभिन्न हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन व दिव्यांग पेंशन स्वीकृति के प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

कैंसर से बचाव और समय पर टीकाकरण के प्रति दिया जागरूकता का संदेश

ग्वालियर, जीएनएस।
कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर टीकाकरण के महत्व का संदेश देने के उद्देश्य से जिला न्यायालय ग्वालियर में 'उल्लास - एक अभिनव प्रयास' अभियान के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य व वैक्सीनेशन जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। उच्च न्यायालय जबलपुर के दिशा-निर्देशों के तहत चलाए जा रहे इस अभियान के तहत यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लगाया गया। शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ललित किशोर ने किया। इस अवसर पर जिला न्यायालय ग्वालियर के न्यायाधीश श्री नवीन

शर्मा सहित अन्य न्यायाधीशगण एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर को संबोधित करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश श्री ललित किशोर ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सतर्कता, उसके शुरुआती लक्षणों की जानकारी और समय पर टीकाकरण के प्रति जागरूकता बीमारी से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने उपस्थित जनों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने का आह्वान किया। शिविर में कैंसर रोग विशेषज्ञ श्री बी.आर. श्रीवास्तव एवं कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने विभिन्न प्रकार के कैंसर, उनके शुरुआती लक्षण, बचाव के उपाय तथा आधुनिक उपचार पद्धतियों के संबंध में महत्वपूर्ण एवं व्यवहारिक जानकारी दी। विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य संबंधी किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज न करने तथा आवश्यकता होने पर समय रहते चिकित्सकीय परामर्श लेने की बात कही।

वन परिक्षेत्र कोलारस में वनभूमि पर अवैध जुताई करते ट्रैक्टर एवं कल्टीवेटर जब्त, आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी, जीएनएस।
सामान्य वनमंडल शिवपुरी के अंतर्गत वन परिक्षेत्र कोलारस में वनभूमि पर अवैध अतिक्रमण रोकने के लिए वन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वनभूमि पर अवैध जुताई कर अतिक्रमण के प्रयास को विफल करते हुए वन अमले ने ट्रैक्टर एवं कल्टीवेटर जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वन संरक्षक शिवपुरी श्री आदर्श श्रीवास्तव एवं वन मंडलाधिकारी शिवपुरी श्री सुधांशु यादव के मार्गदर्शन तथा उप वन मंडलाधिकारी करैरा श्री आदित्य शांडिल्य के निर्देशन में की गई। वन परिक्षेत्राधिकारी कोलारस श्री गोपाल सिंह जाटव के नेतृत्व में वन अमले द्वारा गश्त के दौरान बीट

कोटानाका-ब के कक्ष क्रमांक पीएफ 1188 में वनभूमि पर ट्रैक्टर एवं कल्टीवेटर से की जा रही अवैध जुताई की जानकारी मिली।

अतिक्रमण के प्रयास को किया विफल, वाहन जब्त

वन अमले ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और वनभूमि पर की जा रही अवैध जुताई को तत्काल रुकवाया। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर एवं कल्टीवेटर जब्त किए गए तथा संबंधित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया।

इस कार्रवाई में वनपाल परिक्षेत्र सहायक खरई दक्षिण श्री बृजेन्द्र श्रीवास्तव, उप वनक्षेत्रपाल श्रीमती रुकमणि भगत, वनरक्षक श्री कैलाश यादव, श्री प्रताप राठौर, श्री गिर्राज राजपूत, श्री रामसुखी रघुवंशी, श्री मनोज आदिवासी एवं श्री दिनेश सहरिया सहित वन अमले की भूमिका रही।

महिला बहु. सहकारी समिति मर्यादित देहरेटा अब्बल के संचालक मण्डल के निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

शिवपुरी, जीएनएस।
म.प्र.राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी श्री संजय गुप्ता द्वारा महिला बहु. सहकारी समिति मर्यादित देहरेटा अब्बल के संचालक मण्डल के निर्वाचन हेतु वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक श्री संजय दुबे को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी कार्यक्रम के तहत आमसभा की सूचना एवं निर्वाचन कार्यक्रम जारी किये जाने की तिथि 25 अगस्त, नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाने की तिथि 1 सितम्बर, नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन की तिथि 2 सितम्बर, नामांकन पत्रों की वापसी, चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्हों का आवंटन की तिथि 3 सितम्बर, विशेष साधारण सम्मेलन में मतदान एवं मतगणना की तिथि 8 सितम्बर, रिक्त स्थानों एवं वृत्तिक संचालकों के सहयोजन की तिथि 9 सितम्बर, रिक्त स्?थानों के नामांकन की तिथि 10 सितम्बर, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु सूचना जारी किए जाने की तिथि 11 सितम्बर तथा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन की तिथि 15 सितम्बर निर्धारित की गई है।

योग से स्वास्थ्य तक, अब योगासन खेल में मेडल तक पहुँचे खिलाड़ी

गुना, जीएनएस।
योग को स्वस्थ रहने और बीमारियों से राहत पाने के उद्देश्य से शुरू करने वाले अनेक प्रतिभागियों ने अब योगासन को खेल के रूप में अपनाकर प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इसी प्रेरणादायक बदलाव की झलक गुना में आयोजित जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता में देखने को मिली, जहां पहली बार 6ह्वद्ध जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में विभिन स्कूलों व योग जुड़े 151 प्रतिभागियों ने विभिन्न आयु वर्गों एवं इवेंट में हिस्सा लिया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 25 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के लिए किया गया। और

सभी प्रतिभागियों को उनके रैंक के अनुसार सर्टिफिकेट प्रदान किए गए ओर पार्टिसिपेंट सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए,

प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य एवं श्री राधा इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्या श्रीमती पूर्वी शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आयोजन गुना योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा मध्य प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा सचिव दिनेश सिंह ठाकुर एवं जॉइंट सेक्रेटरी श्री सचिन तिवारी के मार्गदर्शन में श्री राधा इंटरनेशनल स्कूल, ए.बी. रोड, गुना में किया गया। छह आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने दिखाया दम गुना योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगाचार्य महेश पाल ने जानकारीदेते हुए बताया कि प्रतियोगिता में 10 से 14 वर्ष के सब जूनियर गर्ल्स एवं बॉयज, 14 से 18 वर्ष के जूनियर, 18 से 28 वर्ष के सीनियर, 28 से 35 वर्ष के सीनियर ए, 35 से 45 वर्ष के सीनियर बी तथा 45 से 55 वर्ष के सीनियर सी आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने सहभागिता की। ट्रेडिशनल इवेंट में सब जूनियर गर्ल्स में 48, सब जूनियर बॉयज में 72, जूनियर बॉयज एवं गर्ल्स में 20, सीनियर में 4, सीनियर ए में 5 तथा सीनियर सी में 2 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री वर्मा ने किया समस्याओं का त्वरित निराकरण

शिवपुरी, जीएनएस।
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें जिलेभर से अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे सैकड़ों नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित संवेदनशील कार्रवाई की गई।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रशासनिक स्तर पर बिना किसी देरी के त्वरित निराकरण के सख्त निर्देश दिए। इस दौरान स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा से जुड़े गंभीर मामलों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मौके पर ही रेडक्रॉस कोष से आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई तथा रुकी हुई शासकीय योजनाओं का लाभ तुरंत हितग्राहियों तक पहुंचाया गया।

बुजुर्ग साबाबाई जाटव को 5,000 रुपए की सहायता

जनसुनवाई में पहुंचीं 70 वर्षीय बुजुर्ग श्रीमती साबाबाई जाटव ने अपनी वृद्धावस्था पेंशन

और आर्थिक सहायता के संबंध में आवेदन दिया था। कलेक्टर श्री वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत रेडक्रॉस कोष से 5,000 रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। इसके साथ ही सामाजिक न्याय विभाग से उनकी पेंशन की स्थिति की जानकारी ली गई, जिसमें सामने आया कि वृद्धा को जून माह तक की वृद्धावस्था पेंशन का भुगतान किया जा चुका है।

इलाज के लिए सहायता राशि के चैक वितरित

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर जनसुनवाई में पहुंचे जरूरतमंदों को कलेक्टर द्वारा मौके पर ही राहत पहुंचाई गई। इसके तहत ग्राम उमरीकलां निवासी समरथ लोधी को उनकी बेटी के इलाज के लिए रेडक्रॉस कोष से 10,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी गई, वहीं शिव कॉलोनी निवासी धर्मेंद्र राठौर को अपनी पुत्रियों के उपचार हेतु 15,000 रुपए की सहायता राशि का चैक प्रदान किया गया। पिछोर के ग्राम हीरापुर निवासी कमलेश लोधी ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत बालिका की दूसरी किश्त न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। कलेक्टर श्री वर्मा ने तत्काल महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देशों के पालन में तत्काल कार्रवाई करते हुए लाड़ली लक्ष्मी बालिका नीतेश लोधी की कक्षा 11वीं की 6,000 रुपए की छात्रवृत्ति राशि लाड़ली लक्ष्मी पोर्टल के माध्यम से तुरंत उनके खाते में ट्रांसफर कर दी गई।

गोवा में 140वां अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित, शिल्पा गुप्ता को गोवा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी

सामाजिक एकता के क्षेत्र में राजेश ऐरन ने रोशन किया ग्वालियर का नाम

ग्वालियर/गोवा जीएनएस

अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन के माध्यम से देशभर में सामाजिक एकता को मजबूत करने के प्रयासों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन और उनकी टीम की सराहना की गई। गोवा में आयोजित 140वें अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि गोवा के पूर्व कलेक्टर एनडी अग्रवाल ने कहा कि राजेश ऐरन और उनके साथियों ने सामाजिक क्षेत्र में ग्वालियर का नाम देशभर में रोशन किया है।

एनडी अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज के परिवारों के सामने बच्चों के विवाह के लिए योग्य रिश्ते तलाशने की चुनौती रहती है। परिचय सम्मेलन संस्था ने इस दिशा में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए परिवारों को एक मंच उपलब्ध कराया है। इससे समाज के युवाओं के लिए रिश्ते तलाशने में काफी मदद मिली है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गोवा अग्रवाल समाज के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आए अग्रबंधुओं ने गोवा में सामाजिक रिश्तों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने देशभर के अग्रबंधुओं का गोवा में स्वागत किया।

138 स्थानों पर सम्मेलन, हजारों रिश्ते तय : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने कहा कि संस्था की ओर से देशभर में अब तक 138 स्थानों पर परिचय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। इनके माध्यम से हजारों अग्रवैश्य परिवारों के बच्चों के रिश्ते तय कराने में मदद मिली है। गोवा में आयोजित 140वें सम्मेलन के अवसर पर परिचय पत्रिका का विमोचन भी अतिथियों ने किया।

सम्मेलन में गोवा, मडगांव, पणजी, वास्को डि गामा और ओल्ड गोवा क्षेत्र के अग्रवाल समाज के लोग एक मंच पर जुटे। इस अवसर पर शिल्पा गुप्ता को गोवा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष नीलम शाह, राष्ट्रीय महामंत्री बबीता अग्रवाल, ज्योति बंसल, समाजसेवी सुरेश अग्रवाल, विनोद बजाज, अजय कुमार गोयल, प्रणव अग्रवाल, पीयूष मित्तल, धौलपुर से महावीर अग्रवाल सहित समाज के अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मंच संचालन मुकेश सिंघल, पूनम अग्रवाल, शैली अग्रवाल और साधना गोयल ने किया। कार्यक्रम में पदमा अग्रवाल, श्रद्धा गुप्ता, कविता मंगल, दीप्ति बंसल, मीना अग्रवाल, लेखा गर्ग, रीतू अग्रवाल, मधु अग्रवाल, अमृता गुप्ता, जमुना बंसल, लक्ष्मी अग्रवाल और संगीता अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं और सदस्य उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ग्वालियर दिशा का पारिवारिक पिकनिक कार्यक्रम सम्पन्न

व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर परिवार के साथ बिताया समय, सदस्यों ने सामूहिक गतिविधियों और स्वादिष्ट व्यंजनों का लिया आनंद

ग्वालियर जीएनएस

लायंस क्लब ग्वालियर दिशा की ओर से पारिवारिक पिकनिक कार्यक्रम रॉयल माइलस्टोन होटल एंड रिसॉर्ट्स में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन संजय सैनी ने की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सदस्यों को व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर परिवार के साथ स्नेह, सौहार्द और एकता को मजबूत करने का अवसर देना था। इस तरह के आयोजन सदस्यों के बीच आत्मीयता बढ़ाने के साथ क्लब को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पिकनिक के दौरान क्लब सदस्यों और उनके परिवारों ने स्विमिंग पूल, विभिन्न सामूहिक गतिविधियों और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष जुबेर रहमान, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन नितिन मंगलिक, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं एमजेएफ लायन सुधीर बाजपेयी तथा जोन चेयरपर्सन लायन मुकेश बिरोनिया मौजूद रहे।

कार्यक्रम का समन्वय लायन विमल सिंघल और लायन अमृत मखीजानी ने किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष राज शिवहरे, विमल सिंघल, रजनीश निखरा, उदयन हटवलने, नवीन उपाध्याय, मनोज अग्रवाल, मनमोहन कौर सिद्धू, स्मिता खरे, हृदेश भार्गव, डॉ. आलोक पुरोहित, डॉ. अंशुल तिवारी, अंकित सिंघल, महेंद्र माहेश्वरी और कुशल राठौर सहित क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सचिव अभय गर्ग ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की जानकारी क्लब के जनसंपर्क अधिकारी मनोज अग्रवाल ने दी।

जनसुनवाई में पहुंचीं 36 से अधिक शिकायतें

ग्वालियर जीएनएस। आमजन की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय सिटी सेंटर में जनसुनवाई आयोजित की गई। अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर ने आमजनों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में वार्ड 62 के ग्राम जहांगीरपुर के निवासियों ने आम रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की मांग की। वहीं वार्ड 7 जगनापुरा निवासी गोपाल कुशवाहा ने अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनी के खिलाफ कार्रवाई का आवेदन दिया।

कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में 132 आमजनों की सुनी समस्याएं

राजस्व, नगर निगम, बिजली और पुलिस से जुड़ी शिकायतें पहुंचीं; दिव्यांगजनों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश

ग्वालियर जीएनएस

कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 132 आमजनों की समस्याएं सुनी गईं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, एडीएम सीबी प्रसाद और अपर कलेक्टर अनिल बनवारिया सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने आवेदकों से एक-एक कर उनकी समस्याएं जानीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण की रूपरेखा तय करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जमीन से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण के लिए सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए गए। वहीं दिव्यांगजनों की समस्याएं अलग से सुनी गईं और उनके मामलों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभागीय संयुक्त संचालक को दिए गए।

जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का कराया इंतजाम : नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों का तत्परता से निराकरण करने के लिए नगर निगम अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में इलाज की मदद मांगने पहुंचे जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क उपचार की व्यवस्था भी कराई गई। जनसुनवाई में कुल 132 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 75 आवेदन दर्ज किए गए, जबकि शेष 57 आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के लिए आवश्यक टीप के साथ भेजा गया।

Name change

I RINKI JAIN W/O SUMIT KUMAR JAIN. HAVE CHANGED MY NAME AS RINKEE JAIN. NOW I WILL KNOWN BY MY NEW NAME AS RINKEE JAIN.

ADD

WARD NO. 13 SADAR BAZAR PARET CHAURAHA BHIND (M.P.)-477001

Name change

I SUMIT JAIN S/O JAI PRAKASH JAIN. HAVE CHANGED MY NAME AS SUMIT KUMAR JAJN. NOW I WILL KNOWN BY MY NEW NAME AS SUMIT KUMAR JAIN

ADD.

WARD NO. 13 SADAR BAZAR PARET CHAU-RAHA BHIND (M P.)-477001

एकविंशतिः पुण्यस्मरण

26 जनवरी 1966 - 12 अगस्त 2005

कर्तव्य को सीढ़ी बनाकर सिद्धांतों की नींव रखी।
सेवा को साहस मानकर जीवन की राह दिखाई॥

स्व. श्री देवराज सिंह किरार

(पूर्व सचिव म.प्र. कॉंग्रेस कमेटी)

स्मृतिरूपेण संस्थाप्य, हृदये नित्यमर्चनम्।
पुण्यात्मा तव दिव्याङ्गे, साष्टाङ्ग प्रप्रणाम्यहम्॥

पुष्प समर्पित श्रद्धा समर्पित समर्पित है सम्मान।
आप विलीन हुए ईश्वर चरणों में, देकर जीवन का ज्ञान॥

श्रद्धानवत्: डॉ. गुलाब सिंह (ताऊ), करन सिंह (पिता), भंवर सिंह, विक्रम सिंह (चाचा), विक्रांत सिंह, शिवांसु सिंह, प्रशांत सिंह, डॉ. शक्ति प्रताप सिंह, गिर्राज सिंह, रजत सिंह, वैभव सिंह (भ्राता) दिव्यराज सिंह (पुत्र), दिव्यांश सिंह, मेधांश सिंह, विवांश सिंह (भतीजा) एवं समस्त किरार परिवार।

- देवराज हॉस्पिटल
- देवराज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (ए यूनिट ऑफ़ करन डवलपमेंट सर्विसेस प्रा. लि.)

- मै. करन डवलपमेंट सर्विसेस प्रा. लि.
- मै. गिरिराज अर्थ मूवर्स प्रा. लि.
- ट्रस्ट : देवराज सिंह किरार स्मृति सेवा संस्थान
- देवराज स्पोर्ट्स एण्ड एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
- चम्बल घड़ियाल क्रिकेट टीम (एम.पी. लीग T20 सिंधिया कप)

"राज भवन" पताः सी-21, इन्दर नगर, तानसेन रोड, ग्वालियर
फोन : 0751-4050192, 4050193

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।